CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-349
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार 20 मार्च 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

महान शिक्षक ज्ञान, जुनून और करुणा से निर्मित होते हैं।

पेज-04

सेना के मेजर ने बनाया दुश्मन के लिए घातक हमलावर डिवाइस, पेटेंट मिला

नई दिल्ली। भारतीय सेना को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल सेना के ही एक मेजर ने ऐसी डिवाइस का निर्माण किया है, जिसकी मदद से एक ही समय पर कई ठिकानों को तबाह किया जा सकता है। साथ ही इसकी मदद से सेना के जवानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। इस अविष्कार को पेटेंट भी मिल चुका है। भारतीय सेना ने बयान जारी कर इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। भारतीय सेना ने बताया कि सेना की कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स के मेजर राजप्रसाद आरएस ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है, जिसकी मदद से एक साथ कई लक्ष्यों को तबाह किया जा सकता है। खास बात यह है कि सेना के जवान इस वायरलेस डिवाइस की मदद से दूर से ही लक्ष्यों को तबाह कर सकते हैं। इससे उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इस डिवाइस को पोर्टेबल मल्टी टारगेट डेटोनेशन डिवाइस नाम दिया गया है। सेना ने बताया कि इस डिवाइस को पेटेंट मिलने के बाद सेना में शामिल भी कर लिया गया है।

स्विच ऑफ होने के बाद भी ट्रैक करके सकेंगे चोरी हुआ फोन

नई दिल्ली। गूगल ने धीरे-धीरे एंड्रॉयड 14 का अपडेट जारी करना शुरू कर दिया है। पिक्सल और कुछ प्रीमियम फोन को इसका अपडेट मिल रहा है। अब गूगल ने एंड्रॉयड 15 पर भी काम करना शुरू कर दिया है। कहा जा रहा है कि एंड्रॉयड 15 को कई ऐसे जरूरी फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा जिसकी जरूरत हर एंड्रॉयड यूजर्स को लंबे समय से है। एंड्रॉयड 15 के साथ कंपनी फाइंड माय डिवाइस को खत्म कर देगी। इसकी जगह ब्लूटूथ ट्रैकिंग सिस्टम ले लेगा। एंड्रॉयड 15 के साथ हार्डवेयर में भी कुछ बदलाव करने होंगे जिसके बाद फोन स्विच ऑफ होने के बाद भी फोन का ब्लूटूथ कंट्रोल काम करेगा और इसी की मदद से फोन को ट्रैक किया जा सकेगा। इसका सपोर्ट सबसे पहले पिक्सल फोन के लिए मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक एंड्रॉयड 15 को एप्स आर्काइव फीचर के साथ पेश किया जाएगा यानी आप उन एप्स को आर्काइव में सेव कर सकेंगे। ऐसे में आपको एप्स को डिलीट भी नहीं करना पड़ेगा और फोन में स्पेस भी बची रहेगी, हालांकि इसके साथ एक शर्त भी है और वह यह कि सिर्फ गूगल प्ले-स्टोर से डाउनलोड किए गए एप्स ही आर्काइव किए जा सकेंगे। किसी थर्ड पार्टी स्टोर से डाउनलोड किए गए एप्स आर्काइव फीचर को सपोर्ट नहीं करेंगे।

पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना नोटिस का नहीं दिया जवाब

रामदेव-बालकृष्ण हाजिर हों...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेदिक कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण और योग गुरु रामदेव को सुनवाई की अगली तारीख पर पेश होने के लिए कहा है। दरअसल, बीमारियों के इलाज पर भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि और बालकृष्ण को अवमानना का नोटिस भेजकर जवाब मांगा था, जिसका इन लोगों ने जवाब नहीं दिया। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कंपनी और बालकृष्ण की अदालत द्वारा पहले जारी नोटिसों पर जवाब दाखिल करने में विफल रहने पर कड़ी आपत्ति जताई। पीठ ने रामदेव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने योगगुरु रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को उसके उत्पादों के बारे में न्यायालय में दिए गए पूर्व के आश्वासनों के उल्लंघन और दवाओं के असर से जुड़े गलत दावों के मामले में कड़ी फटकार लगाई थी। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी कर पूछा था कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

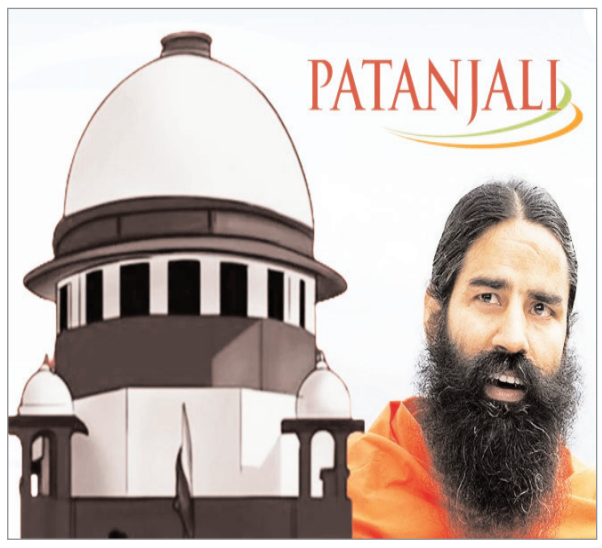

पिछले साल नवंबर में किया था आगाह

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया ने याचिका में बताया था कि पतंजलि ने दावा किया था कि योग अस्थमा और डायबिटीज को पूरी तरह से ठीक कर सकता है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर केंद्र से परामर्श और गाइडलाइंस जारी करने का आदेश दिया था। पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके अधिकारियों को मीडिया में (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की) अन्य दवा प्रणालियों के बारे में कुछ गलत कहने के लिए आगाह किया था। कंपनी ने पहले अदालत के समक्ष अपने हलफनामे में ऐसा नहीं करने की बात कही थी। पिछले साल 21 नवंबर को, कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि आगे से कानून का कोई उल्लंघन नहीं होगा।

कंपनी ने यह कहा था हलफनामे में

कंपनी की ओर से हलफनामे में कहा गया था कि पतंजलि उत्पादों के औषधीय असर का दावा करने वाला कोई भी अनौपचारिक बयान या किसी भी दवा प्रणाली के खिलाफ कोई बयान या विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें रामदेव पर टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

क्या है आईएमए का आरोप?

आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था। इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए। खास तरह की बीमारियों को ठीक करने के झूठे दावे करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए एक करोड़ रुपये तक के जुमार्ने की संभावना जाहिर की। कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक फार्मास्यूटिकल्स पर अपनी विवादास्पद टिप्पणियों के लिए आईएमए की ओर से दायर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले रामदेव ने मामलों को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अदालत ने केंद्र और आईएमए को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई की अगली तारीख मुकर्रर की। रामदेव पर आईपीसी की धारा 188, 269 और 504 के तहत सोशल मीडिया पर चिकित्सा बिरादरी की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

सीएम मोहन बोले- चुनाव में मुख्यमंत्री और मंत्री भी सामान्य कार्यकर्ता

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन लोकसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हम सब कार्यकर्ता भाव से चुनाव में जुटें। युद्ध में सेना के सभी जवान सामान्य ड्रेस में रहते हैं। उनके पद और ओहदे कोई मायने नहीं रखते। इसी प्रकार चुनाव में मुख्यमंत्री, मंत्री भी सामान्य कार्यकर्ता हैं। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री का जिला होने के नाते उज्जैन के ऊपर दोहरी जवाबदारी है। हमें 29 लोकसभा क्षेत्रों में उज्जैन लोकसभा क्षेत्र को सर्वाधिक मतों से जीतना है। उन्होंने कहा कि हम हर वर्ष विभिन्न त्यौहार मनाते है। लेकिन चुनाव का त्यौहार पांच वर्ष में एक बार ही आता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सकारात्मक वातावरण के साथ एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरे। हमें किसी भी भ्रम और घमंड को नही पालना है। पार्टी की जिस बूथ पर जो जिम्मेदारी मिली है उस पर खरा उतरना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर बूथ पर 370 नए वोट बढ़ाने की जो बात कही है उसे अक्षरशः हर बूथ पर साकार हम सब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता हनुमान की तरह है जिन्हें कोई भी काम सौंपा जाता है तो वह उसको पूरा करते हुए विजय हासिल करके ही आते है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओ से हर बूथ पर 370 नए वोट बढ़ाने का जो आह्वान किया है उसे साकार करते हुए हमें हर बूथ पर चुनाव जीतकर इतिहास बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 2014 का चुनाव कांग्रेस के नाकामी के कारण हम जीते थे, 2019 का चुनाव गरीब कल्याण को लेकर जीते थे और 2024 का चुनाव संगठन की ताकत और विचार के बल पर जीतेंगे। प्रधानमंत्री के इस संकल्प को मध्यप्रदेश में साकार करेंगे और संगठन की ताकत के बल पर भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी। उन्होंने कहा कि उज्जैन के कार्यकर्ताओं की संगठन में अलग पहचान है। माइक्रो प्लानिंग करने में उज्जैन के कार्यकर्ताओं को महारथ हासिल है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन लोकसभा के साथ ही प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीट रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे। इस बार छिंदवाड़ा लोकसभा सीट जीतकर इतिहास बनाएंगे।

बूथ विजय अभियान को नीचे तक ले जाना है- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि बूथ विजय अभियान में जो करणीय कार्य हैं, उन्हें हमें हर बूथ पर मजबूती के साथ करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज का भारत संपन्न भारत-सुरक्षित भारत है और नए-नए प्रयोग करने वाला स्वावलंबन भारत बन रहा है। देश का हर युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहा है, इसलिए हर बूथ पर युवा चौपाल आयोजित करें। केंद्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में जो कार्य किया है, उस पर समाज की सक्रिय महिलाओं से संवाद करें। सेवा बस्तियों में चौपाल आयोजित करें और सामाजिक धार्मिक क्षेत्र में काम करने वाले संस्थानों और एनजीओ के साथ संपर्क-संवाद करें। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर घर तक पहुंचा है। लाभार्थी संपर्क अभियान के अंतर्गत हर कार्यकर्ता लाभार्थियों से संपर्क करें और उनके साथ सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर प्रचारित करें। उन्होंने बूथ पर माइक्रो मैनेजमेंट के महत्व को बताते हुए कहा कि पार्टी ने चुनाव को लेकर जो कार्यक्रम तैयार किये हैं।

सीएए को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र सरकार से जवाब

– अब 9 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीएए पर मंगलवार को नरेंद्र मोदी सरकार से जवाब मांगा है। सीएए को लेकर कई याचिकाएं दायर की गई हैं, कोर्ट मामले की सुनवाई नौ अप्रैल को करेगा। हालांकि शीर्ष अदालत ने इस पर स्टे लगाने से इनकार कर दिया। याचिकाकताओं की इस संबंध में की गई मांग नहीं मानी गई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सीएए

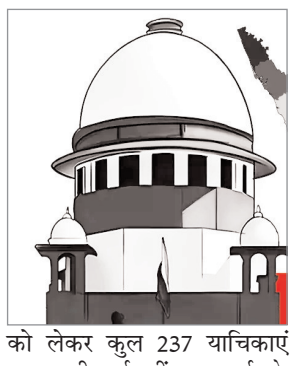

को लेकर कुल 237 याचिकाएं दायर की गई थीं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पेटिशंस और अप्लीकेशंस का का जवाब देने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। उन्होंने दलील दी कि कुल 237 पेटिशंस हैं। स्टे के लिए 20 अप्लीकेशन आए हैं। जवाब देने के लिए मुझे समय चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएए लागू होने से किसी की नागरिकता नहीं जाने वाली है। याचिकाकताओं के दिमाग में इसको लेकर पूर्वाग्रह डाला गया है।

सिब्बल ने जताई आपत्ति- एसजी मेहता ने कोर्ट से कहा कि केंद्र को कम से कम चार हफ्ते का समय चाहिए। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि स्टे अप्लीकेशंस का जवाब देने के लिए इतना समय बहुत ज्यादा है। सिब्बल ने आगे दलील दी कि अगर नागरिकता को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई तो फिर से वापस नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर अभी तक इंतजार किया गया है तो जुलाई में कोर्ट का फैसला आने तक इंतजार किया जा सकता है। आखिर इतनी जल्दबाजी क्या है?

पप्पू यादव अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय करेंगे, लालू-तेजस्वी से डील फाइनल

पटना- बिहार की राजनीति से बड़ी खबर है कि पूर्व सांसद पप्पू यादव अपनी जन अधिका पार्टी का कांग्रेस में विलय करेंगे. सूत्रों से खबर है कि पप्पू यादव कांग्रेस में अपनी पार्टी का करने के लिए तैयार हैं और वह पूर्णिया से गठबंधन के उम्मीदवार हो सकते हैं. बता दें कि मंगलवार को पप्पू यादव ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की थी. बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के साथ ही सीमांचल और कोसी क्षेत्र की राजनीति को लेकर रणनीति को लेकर चर्चा हुई थी. बता दें कि बीते कई दिनों से पप्पू यादव की कांग्रेस से नजदीकियों की खबरें आ रही थीं. उनकी पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सांसद भी हैं. इससे पहले वह सुपौल से राजद की सांसद थीं. वहीं, दिनों पप्पू यादव को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच बात नहीं बन पा रही थी

राज ठाकरे ने की अमित शाह से मुलाकात, एनडीए में शामिल होने की संभावना

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में उठापटक जारी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर पहुंचे। राज ठाकरे ने अमित शाह से मुलाकात करने के बाद कुछ देर उनसे बात की। बता दें कि राज ठाकरे सोमवार की रात को ही दिल्ली पहुंचे थे। मंगलवार को उन्होंने एक प्राइवेट होटल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से मुलाकात की। इस मुलाकात के खत्म होने के बाद ही एमएनएस प्रमुख, अमित शाह के आवास की तरफ रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ विनोद तावड़े भी मौजूद थे। लोकसभा चुनाव से पहले सियासी गलियारों में चर्चा है कि राज ठाकरे एनडीए में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पहले से ही नई दिल्ली में मौजूद हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद राज ठाकरे ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मुझे अभी तक नहीं पता कि मेरा कार्यक्रम क्या है। मुझे तो बस दिल्ली आने के लिए कहा गया था और मैं दिल्ली आ गया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा और कोई निर्णय लिया जाता है तो आपको बताया जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि एनडीए में राज ठाकरे की एमएनएस की एंट्री हो सकती है। भाजपा उन्हें शिंदे की शिवसेना कोटे से एक सीट की पेशकश कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, राज ठाकरे एनडीए से दो सीटों की मांग कर रहे हैं। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने इस बार महाराष्ट्र की 48 में से 45 प्लस लोकसभा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। वहीं केंद्र में एनडीए का 400 से ज्यादाऔर भाजपा के अकेले का 370 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य है।

अरबपति का अवसादः केटामाइन की तारीफ करते हुए कहा- यह मुझे गलत सोच से बाहर निकालती है

एलन मस्क का बड़ा खुलासा, डिप्रेशन दूर करने के लिए लेते हैं दवा

न्यूयॉर्क। अरबपति एलन मस्क अकसर चर्चाओं में बने रहते हैं। कुछ दिनों पहले उनके द्वारा डिप्रेशन के लिए केटामाइन जैसी दवाओं के इस्तेमाल करने की खबर सुर्खियों में आई थी। तब रिपोर्ट्स में कहा गया था कि टेस्ला और स्पेसएक्स के कई बोर्ड सदस्य एलन मस्क के इन दवाओं के लेने से परेशान हैं। सदस्यों का कहना था कि ऐसी दवाओं का असर मस्क के स्वास्थ्य और व्यापार पर पड़ सकता है। हालांकि इन सब खबरों के बीच दिग्गज कारोबारी ने केटामाइन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इसके लेने से वह अच्छे से काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। टेस्ला के सीईओ ने एक इंटरव्यू में कहा, ऐसा समय होता है,

जब मेरा दिमाग नकारात्मक सोचता है। शायद यह डिप्रेशन है। डिप्रेशन किसी गलत खबर से जुड़ा नहीं है। केटामाइन गलत सोच से बाहर निकालने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि एक डॉक्टर ने उन्हें दवाई दी है। वह हर दूसरे सप्ताह में एक बार दवा लेते हैं।

मस्क की सफाई- मस्क ने कहा, अगर आप बहुत ज्यादा केटामाइन का इस्तेमाल करते हैं तो आप काम नहीं कर सकेंगे। मेरे पास बहुत काम है। मैं आम तौर पर 16 घंटे काम करता हूं। इसलिए मेरे सामने सच में ऐसी कोई वजह नहीं है, जहां मैं लंबे समय तक मानसिक रूप से गंभीर नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वह शराब और धूम्रपान करना नहीं जानते हैं, लेकिन जब देर रात वह काम करते हैं तो शांत रहते हैं। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वे केटामाइन या किसी अन्य दवा का जिक्र कर रहे थे।

मैं कुछ भी लूं...- अरबपति ने इस बात पर जोर दिया कि अवसाद आनुवंशिक है। साथ ही यह कहा कि उन्हें नहीं लगता कि दवाओं का इस्तेमाल उनके सरकारी अनुबंधों या निवेशक संबंधों को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा, ह्वावॉल स्ट्रीट के दृष्टिकोण से, जो मायने रखता है वह निष्पादन है। क्या आप निवेशकों के लिए मूल्य का निर्माण कर रहे हैं? तो बाकी के कार उद्योग के कुल मूल्य के बराबर टेस्ला की कीमत है। इसलिए एक निवेशक के दृष्टिकोण से अगर मैं कुछ ले रहा हूं, तो मुझे इसे लेते रहना चाहिए

लोगों का दावा- मस्क लेते हैं ड्रग्स- जनवरी में प्रकाशित वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति को जानने वाले लोगों का दावा है कि उन्होंने एलएसडी, कोकीन, एक्स्टसी और साइकेडेलिक मशरूम का नशा किया है। दुनिया भर में निजी पार्टियां होती हैं, जहां मेहमान नॉन डिस्क्लोजर समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं और फोन ले जाने की अनुमति नहीं होती है। ऐसी पार्टियों में मस्क के नशीली दवाओं के लेने का दावा किया गया है।

सिंगल कॉलम

विश्व गौरैया दिवस आज, लुप्त नहीं हुई, रूठ गई है नन्हीं गौरैया

इंदौर। जब भी बच्चों को चिड़िया के बारे में बताया जाता है, तो सबसे पहले गौरैया का ही नाम आता है। आंगन में उछलती-कूदती नन्ही-सी गौरैया जिसकी चहचहाट दिनभर सुनाई देती थी, घर के आले में जिनके घोंसले हुआ करते थे, अब वही गौरैया नजर नहीं आती। ऐसा नहीं कि गौरैया लुप्त हो गई हैं, किंतु यह सच है कि शहर में इनकी संख्या घटती जा रही है। पहले जहां शहर के हर हिस्से में गौरैया की चहचहाहट, धूल में नहाने के दृश्य और इन्हें यहां-वहां फुदकते देखा जा सकता था, मगर अब यह सब देखने को नहीं मिलता। यदि कोई कहता है कि हमारे आंगन में या कालोनी के बगीचे में तो आज भी गौरैया नजर आती है, तो यह दूसरों के लिए उत्सुकता और प्रसन्नता का विषय बन जाता है। इंदौर भले ही स्वच्छ और स्मार्ट सिटी बन गया हो, किंतु गौरैया यहां कम हो गई हैं। पक्षी विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में बेशक गौरैया नजर नहीं आती या कुछ ही क्षेत्रों में नजर आती है, लेकिन गांव में आज भी इनकी संख्या कम नहीं है। ये लुप्त नहीं हुईं बल्कि शहरों से पलायन कर चुकी हैं। नन्ही चिरइया को दोबारा हम अपने शहर में बुला सकते हैं। जरूरत है तो छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने और थोड़ी-बहुत जुगत लगाने की। छोटी-छोटी कोशिश बड़े सकारात्मक परिणाम दे सकती है और एक बार फिर हमारे आंगन में नन्हीं गौरैया बड़े समूह के साथ फुदकती हुई दिखाई दे सकती है। ...तो घर में भी आ सकती हैं चिरकली पर्यावरणविद् पद्मश्री भालू मोंढे के अनुसार यदि गौरैया को अनुकूल माहौल मिले, तो वह अपना कुनबा बढ़ा ही लेती है। इसका उदाहरण है सिरपुर तालाब। वहां आज भी करीब दो सौ गौरैया देखी जा सकती हैं। इसके अलावा रेसिडेंसी कोठी परिसर, डेली कालेज, खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर, होलकर विज्ञान महाविद्यालय का कुछ भाग, एमजीएम मेडिकल कालेज की पुरानी इमारत आदि जगहों पर भी गौरैया नजर आती है। ये स्थान ऐसे हैं, जहां लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम होने से ये सुरक्षित महसूस करती हैं। यही नहीं, यहां की कच्ची भूमि पर उगने वाली घास के बीज, यहां पनपने वाले कीड़े आदि इनका भोजन हैं। यदि हम अपने घर में भी ऐसा ही वातावरण इन्हें दें, तो ये वहां भी आ सकती हैं। आपके घर में हो नन्हीं गौरैया का भी घर पक्षी विशेषज्ञ अजय गडिकर के अनुसार छोटे-छोटे तरीकों को अपनाकर हम आवासीय क्षेत्र में भी गौरैया को बुला सकते हैं। इसके लिए घर के बाहर थोड़ा स्थान ऐसा रखें, जहां मिट्टी और देसी घास लगी हो। कोई स्थान ऐसा सुनिश्चित करें जहां इनके लिए दाना डाला जा सकता हो और पानी के सकोरे रखे हों। किंतु ऐसी जगह पर जानवर या इंसान की आवाजाही नहीं होनी चाहिए। घर के आसपास या कालोनी के बगीचे में कुछ झाड़ियां हों ताकि वह उनमें बैठ सके। वर्तमान में घर में आले जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, जहां गौरैया घोंसला बना सके इसलिए घर में बर्ड हाउस लगाएं, जिसमें वह घोंसला बनाकर अपना जीवनचक्र आगे बढ़ा सके। बबूल, शहतूत, गुड़हल, करोंदे, फालसे, मेंहदी जैसे पौधे लगाकर भी इन्हें आकर्षित किया जा सकता है। हानिकारक रसायन से भी पहुंच रहा नुकसान पर्यावरणविद् रवि शर्मा के अनुसार, गौरैया धूल के मैदान इसलिए चाहिए ताकि उसमें पाए जाने वाले कीट को वे अपने बच्चों को खिला सके। चूंकि अब धूल के मैदान खत्म हो गए हैं और लोग बारीक अनाज भी नहीं डालते, इसलिए शहरी क्षेत्र में गौरैया नजर नहीं आती। इसके अलावा कीटनाशक भी इन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। यदि आपके घर-आंगन में पौधे हैं, तो जैविक पद्धति से उनके कीट हटाएं ताकि हानिकारक रसायन का दुष्प्रभाव गौरैया पर न पड़े। देसी घास लगाएं जिसके बीज गौरैया खा सके। इसके अलावा विभिन्न तरह के अनाज का दलिया बनाकर उसे मिलाकर डालें क्योंकि गौरैया बारीक अनाज ही खा पाती है।

के के कोड से फोन कर इंदौर में दलाल स्ट्रीट की शाखा उड़ाने की धमकी

इंदौर। बांबे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) की इंदौर शाखा में सोमवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब +44 कोड (यूके) नंबर से संदिग्ध फोन कॉल आया। फोन करने वाले ने बिल्डिंग उड़ाने की धमकी दी। कहा कि भारतीय शेयर बेचकर अमेरिकी शेयर खरीद लें। इस फोन कॉल के बाद दलाल स्ट्रीट की शाखा के अधिकारियों ने पुलिस की मदद से बिल्डिंग खाली कराई। सोमवार की घटना की जानकारी मंगलवार को सामने आ सकी। खुफिया एजेंसियां जांच में जुटी हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कोड से पहले भी देश में फोन कॉल आते रहे हैं। इंदौर के खजराना थाना अंतर्गत स्थित कार्यालय में आया फोन कॉल रिकार्ड आवाज में था। सूचना मिलते की खजराना पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डाग स्क्वाड मौके पर आ गया। पूरी इमारत खाली करवाई और चप्पे-चप्पे तलाशी ली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इसी तरह के कॉल हैदराबाद और मुंबई में पिछले दिनों आए थे। दूरसंचार विभाग, बाजार नियामक सिक्योरिटीज और एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) सहित वित्त मंत्रालय भी जांच में जुटा है। पुलिस के मुताबिक, यह एक फर्जी कॉल था। आशंका है कि शेयर बाजार में उथल-पुथल के उद्देश्य से किया गया था।

हीरेन पटेल हत्याकांड में इंदौर से वर्ग विशेष का युवक गिरफ्तार

इंदौर। गुजरात के चर्चित हीरेन पटेल हत्याकांड में अहमदाबाद आतंकवाद विरोधी दस्ते (एसटीएफ) ने मंगलवार शाम को शहर के खजराना इलाके से आरोपित इरफान को पकड़ा है। पुलिस और एटीएस लंबे समय से उसकी तलाश में थी। मूलत- उज्जैन जिले के महिदपुर का इरफान शुभ-लाभ टावर में छुपा था। एटीएस ने मोबाइल सर्विलांस के आधार पर छापा मारा। झालोद नगर पालिका के पार्षद हीरेन पटेल की सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। मामले की दाहोद अपराध शाखा और पंचमहल साइबर सेल जांच कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद समीर, सज्जन सिंह उर्फ करण, इरफान, अजय की गिरफ्तारी हुई तो पता चला हीरेन पटेल की दाहोद के पूर्व सांसद बाबूभाई कटारा के बेटे अमित कटारा ने सुपारी देकर हत्या करवाई है। मुख्य साजिशकर्ता इमरान गुड़ाला था। केस एटीएस को ट्रांसफर किया और गुडाला को हरियाणा से गिरफ्तार किया। इसके बाद महिदपुर के इरफान का नाम सामने आया।

इंदौर में मोबाइल की लोकेशन निकाल पुलिस ने युवक को आत्महत्या करने से रोका

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पत्नी से विवाद और दहेज प्रताड़ना के प्रकरण से डिप्रेशन में आकर रीवा निवासी युवक होटल के कमरे में आत्महत्या का प्रयास कर रहा था। आत्महत्या से पहले उसने मोबाइल पर अपने भाई को फोटो भेजी। जैसे ही फोटो भाई के पास पहुंचा उसने अपने शीतल नगर निवासी दोस्त को इस बारे में बताया ङ्क युवक के भाई के दोस्त ने तुरंत इस बात की जानकारी विजय नगर पुलिस को दी। पुलिस ने युवक की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की और इसके आधार पर पुलिस भाग्यश्री कालोनी स्थित सुदीप्ति होटल पर जा पहुंची। पुलिस ने युवक को आत्महत्या करने से रोक लिया और उसकी काउंसलिंग कर समझाइश दी। टाटा मैजिक ने दोपहिया वाहन को पीछे से मारी टक्कर, महिला की मौत खजराना थाना क्षेत्र में दोपहिया वाहन को तेज गति टाटा मैजिक ने पीछे से टक्कर मार दी। दोपहिया सहित पति-पत्नी और छह साल की बेटी सड़क पर गिर गए। मैजिक का पहिया

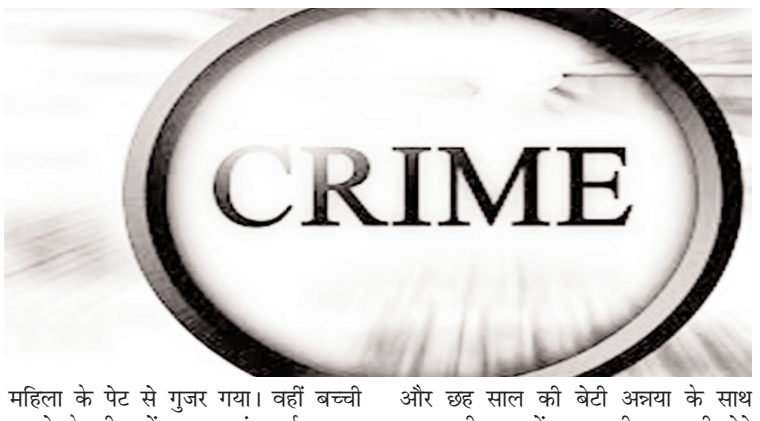

महिला के पेट से गुजर गया। वहीं बच्ची चक्के के बीच में आकर फंस गई। वाहन चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया। एम्बुलेंस से घायलों को एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां पत्नी को मृत घोषित कर दिया। वहीं बच्ची का उपचार चल रहा है। खजराना थाने से मिली जानकारी के अनुसार, गिरीराज कालोनी ग्राम झलारिया में रहने वाला देवेंद्र देवले अपनी पत्नी वंदना और छह साल की बेटी अन्नया के साथ महालक्ष्मी नगर में स्कूल की जानकारी लेने आए थे। घर जाने के दौरान स्टाल चौराहे पर रेडिसन चौराहे की तरफ से आ रही टाटा मैजिक एमपी 13 जीबी 4031 ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर वाहन सहित गिर गए। गिरने से टाटा मैजिक का चक्का वंदना के पेट से गुजर गया। वहीं बच्ची बीच में फंस गई।

इंदौर में डाक्टर के घर से लाखों के आभूषणों से भरी तिजोरी ले गए चोर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र में लाखों रुपये की चोरी हुई है। चोर हीरेजड़ित जेवरों से भरी तिजोरी ही लेकर फरार हो गए है। पुलिस को तीन चोरों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। कुछ फिंगर प्रिंट भी मिल गए हैं। पुलिस संदेहियों को तलाश रही है। घटना स्कीम-54 में एफएच सेक्टर की है। डाक्टर स्वाति काल सोमवार को खरगोन चुनाव संबंधित कार्यों की ट्रेनिंग पर गई थीं। पति हर्ष काल कारोबार के सिलसिले में गए थे। दो मंजिला मकान में उनकी मां और नौकर ही था। रात में मां पहली मंजिल पर सो रही थी और नौकर भी ऊपर सोने चला गया। रात में चोरों ने घर में सेंध लगाई और डाक्टर के बेडरुम का सामान बाहर फेंक दिया। चोरों को कुछ नहीं मिला तो अलमारी में लगी डिजिटल तिजोरी निकाल ली। चोरों ने तिजोरी तोड़ी नहीं बल्कि लेकर फरार हो गए। मंगलवार को टीम को सूचना मिली और मौके पर पहुंची। टीआइ सीबी सिंह के मुताबिक, फोरेंसिक विशेषज्ञों को फिंगर प्रिंट मिले हैं। तीन चोर घर में जाते हुए दिखाई दिए हैं। डाक्टर काल के मुताबिक, तिजोरी में करीब 12 लाख रुपये कीमत के जेवर थे। जेवरों में कुछेक हीरे के भी थे।

इंदौर में करीब डेढ़ लाख रुपये की अवैध शराब और सामग्री जप्त

सिटी चीफ इंदौर।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। जिले के सभी वृत्तों में वृत प्रभारियों द्वारा अवैध शराब की धड़पकड़ के लिए कार्रवाई की गई। इस दौरान 1.43 लाख रुपये की अवैध शराब जब्त की गई। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के परिवहन और बिक्री की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिले के सभी व्रत द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में अवैध शराब की जांच का अभियान चलाया गया। इसमें देर रात तक खुले रहने वाले ढाबों और होटल की जांच की गई। वहीं अवैध रूप से शराब पर परोसने वाले ढाबों पर भी प्रकरण बनाए गए मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कल 34 प्रकरण दर्ज किए गए। सहायक आयुक्त आबकारी मनीष खरे ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर करीब 31 बल्क लीटर देशी शराब, 33 बल्क लीटर विदेशी शराब, 150 लीटर कच्ची हाथ भट्टी शराब जप्त की गई। इसके साथ ही 765 किलोग्राम महुआ लहान जप्त कर मौके पर नष्ट किया गया। जप्त समस्त सामग्री की कीमत लगभग एक लाख 43 हजार रुपये है। लगातार की जा रही जांच आबकारी विभाग द्वारा अवैध रूप से शराब के परिवहन और बिक्री की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी देर रात तक शराब परोसने और परिवहन के कई मामले सामने आ रहे हैं। आबकारी विभाग की शक्ति के बाद भी शहर में देर रात तक पब खुले रहते है। यह खुलासा पुलिस की कार्रवाई में हो रहा हैं।

इंदौर में इंजीनियरिंग के छात्र ने फांसी लगाई, परीक्षा में कम नंबर से तनाव में था

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र में इंजीनियरिंग छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। स्वजन ने ठोस कारण नहीं बताया है। उन्हें शक है परीक्षा में कम नंबर आने के कारण तनाव में था। पुलिस फिलहाल मर्ग कायम कर जांच में जुटी है। तुकोगंज पुलिस के मुताबिक, घटना साउथ तुकोगंज की है। मंगलवार को 21 वर्षीय अक्ष सनोटिया ने अपने रूम में फांसी लगा ली। स्वजन ने जैसे ही देखा तुरंत अस्पताल ले गए। निजी अस्पताल के डाक्टर ने उसे एमवाय अस्पताल भेजा लेकिन यहां डाक्टर ने देखते ही कहा, अक्षत की मौत हो चुकी है। सूचना मिलने पर राऊ विधानसभा के विधायक मधु वर्मा भी अस्पताल आ गए थे। वह इकलौता बेटा था। स्वजन और पुलिस ने अक्षत के रूम की तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। स्वजन ने पुलिस को इतना बताया कि वह बीई का छात्र था। परीक्षा में कम नंबर आने के कारण थोड़ा

तनाव में था।

कैफे पर भीड़े युवक, जमकर हुई मारपीट

विजय नगर थाना क्षेत्र में कैफे पर युवकों के दो गुट आपस में भीड़ गए। दोनों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर केस दर्ज किया है। घटना साफ्टविजन कालेज के पास स्थित चाय कुल्हड़ कैफे की है। 21 वर्षीय संस्कारसिंह ने गौरव चौधरी और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई है। संस्कार के मुताबिक, गौरव चौधरी व उसके साथी कार, बाइक पर आए और पिटाई कर दी। भीड़ से एक तरफ ले गए और दीवार से टकरा दिया। धारदार वस्तु से भी हमला किया और गाड़ी पर पटक दिया। आरोपितों ने उसे धमकाया और फरार हो गए।

इंदौर में नियम तोड़ने वाले पब और बार के अवैध निर्माण की जांच करेगी पुलिस

सिटी चीफ इंदौर।

देर रात शराब परोसने वाले इंदौर के पब और बार पर पुलिस शिकंजा कसने वाली है। नियमों का उल्लंघन करते पकड़े जाने पर भवन का अवैध निर्माण तक टूट सकता है। पुलिस ने नगर निगम से जांच करवाने की चेतावनी दी है। बिजली कंपनी और आबकारी विभाग को भी जांच में शामिल किया जाएगा। एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, विजय नगर एसीपी ने रविवार रात कनाड़िया स्थित मिस्टर स्कल पर छापा मारा था। आरोपित पिछले दरवाजे से एंट्री करवाकर शराब परोस रहे थे। इसके पूर्व भी विजय नगर क्षेत्र में सीओडी पब पर छापा मारा गया था। एडीसीपी के मुताबिक, पब का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा जा रहा है। पब ने 'बैटआइ' एप को झूठी जानकारी दी थी। वीडियो कॉल पर पब बंद होना बताया और पिछले दरवाजे से लोगों को प्रवेश करवाया। पब-बार में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाएंगे पुलिस अब सभी पब और बार में चार सीसीटीवी कैमरे लगवाएगी, ताकि पूरे पब की गतिविधियां लाइव देखी जा सके। कैमरे में आडियो आप्शन भी होगा, ताकि कंट्रोल रूम से प्रसारण कर निर्देश दे सकें। उधर कानून व्यवस्था के एडिशनल सीपी अमित सिंह ने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने वाले पबों का लाइसेंस स्थायी तौर पर निरस्त करवाया जाएगा। नाइट कल्चर एडिशनल सीपी ने सादे कपड़ों में देखी हकीकत पुलिस नाइट कल्चर की आड़ में बेवजह भीड़ इकट्ठा करने वाले दुकानदारों पर भी सख्ती करेगी। एडिशनल पुलिस आयुक्त अमित सिंह ने खुद सादे कपड़ों में पान और चाय-नाश्ता की दुकानों की हकीकत देखी है। सिंह के मुताबिक, राजीव गांधी चौराहे से निरंजनपुर चौराहा तक 24 घंटे के लिए मिले लाइसेंस में कई तरह की शर्तें हैं। ज्यादातर दुकानदार इनका उल्लंघन कर रहे है। कई दुकानें ऐसी हैं, जहां बैठने की व्यवस्था नहीं और युवक-युवतियों का हुजूम बाहर खड़ा रहता है। पुलिस औचक निरीक्षण करेगी। आबकारी, बिजली, नगर निगम और प्रशासनिक अफसरों को भी शामिल किया जाएगा।

इंदौर में कस्टम की कार्रवाई, 46 हजार से ज्यादा नशीली गोलियों के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर कस्टम विभाग ने नशे की तस्करी के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू की है। कस्टम कमिश्नरेट इंदौर ने विशेष आपरेशन में नशे की गोलियों की बड़ी खेप ले जाते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इंदौर कस्टम के अधिकारियों ने उज्जैन रिंग रोड जाकर कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रतिबंधित एल्प्राजोलम की 46 हजार 200 टेबलेट बरामद की है कस्टम डिप्टी कमिश्नर दिनेश बिसेन के अनुसार, गोपनीय सूचना के आधार पर कस्टम विभाग ने कार्रवाई को अंजाम दिया। एक्टिवा स्कूटर पर उज्जैन की ओर जाते हुए रिंग रोड से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसने अपने स्कूटर पर ही साइकोट्रोपिक प्रतिबंधित दवा एल्प्राजोलम रखी हुई थी। जिसे वह आपूर्ति के लिए उज्जैन ले जा रहा था। उसके पास न तो दवा के रखने की अनुमति, न बिल ना ही लायसेंस था। एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए सबंधित व्यक्ति को नशे की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। बरामद गोलियों की मात्रा कमर्शियल मात्रा का 50 गुना है। नशीली दवा की मात्रा 5.08 किलो ग्राम है। इस प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट में 10 से 20 वर्ष के कारावास का प्रविधान है।कस्टम ने सेंट्रल ब्यूरो आफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की मदद भी कार्रवाई में ली। संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार कर उज्जैन जिला कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। दवा का उपयोग नशे में अल्प्राजोलम टेबलेट जो आमतौर पर जेनेक्स नाम से नशाखोरो द्वारा उपयोग की जाती है। इसे दवा के रूप में अवसाद और मानसिक स्थिति के उपचार में काम में लिया जाता है।हालांकि नशाखोर इसका उपयोग रिक्रिएशन ड्रग के तौर पर करते हैं। यह लत लगाने वाली दवा है। रेव पार्टियों के साथ इसे धो` से खिलाई जाने वाली ड्रग भी कहा जाता है। इसके भंडारण, बिक्री व उपयोग के लिए सख्त कानून बने हैं।

इंदौर के नवनियुक्त निगमायुक्त शिवम वर्मा बोले, शहर की सफाई से संतुष्ट नहीं

सिटी चीफ इंदौर।

शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था से मैं संतुष्ट नहीं हूं। हालांकि यह बात भी सही है कि यह एक दिन का काम नहीं है। रोजाना की चुनौती है। हम प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्र में निरीक्षण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम स्वच्छता के सभी प्रोजेक्ट को शत प्रतिशत क्षमता से चलाएं। इंदौर स्वच्छता के मुकाम में बहुत ऊंचे स्थान पर है और हमें इसे बनाए रखना है। हमें हमेशा बेहतर से और बेहतर की तरफ काम करना चाहिए। ऐसा करके ही हम शत प्रतिशत पा सकते हैं। यह बात निगमायुक्त शिवम वर्मा ने मंगलवार को मीडिया से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हमें डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए नए वाहन मिलने वाले हैं। इसके बाद स्थिति में और सुधार होगा। वर्मा मंगलवार सुबह औचक निरीक्षण पर जोन 16 पहुंचे। उन्होंने जोन कार्यालय के कंट्रोल रूम निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिकायत पंजी भी देखी। इसमें सिरपुर के एक शिकायतकर्ता छोटू को फोन लगाकर निगमायुक्त ने सीधे बात की।

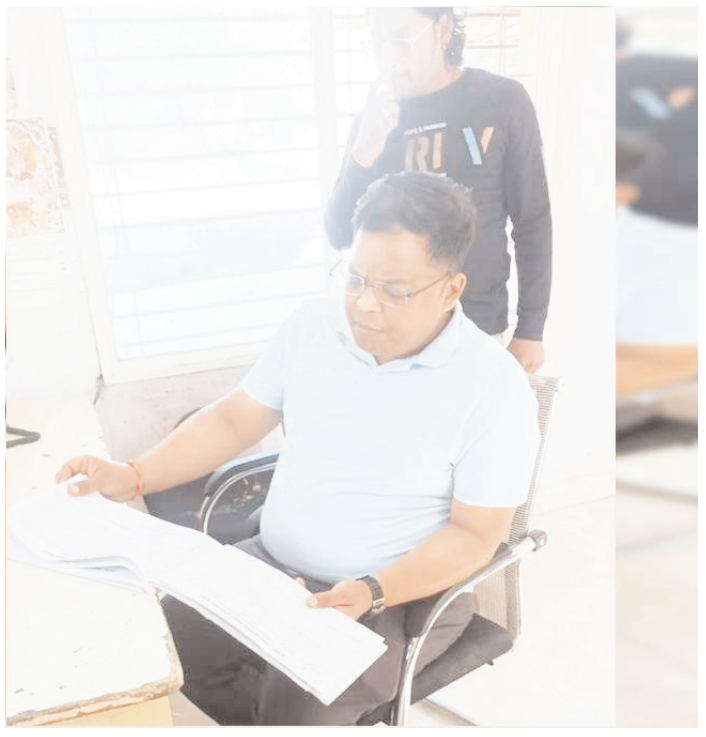

शिकायतकर्ता छोटू ने निगमायुक्त को बताया कि उन्होंने ड्रेनेज की शिकायत की थी, जिसका निराकरण हो गया है। इस पर निगमायुक्त ने छोटू से पूछा कि क्या आप निराकरण से संतुष्ट हो। इस पर छोटू ने स्वीकृति दी। निगमायुक्त ने सफाई व्यवस्था की जानकारी ली और शिकायतकर्ता से कहा कि आप भी स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छता में सहयोग करें। निगमायुक्त जोनल कार्यालय के सभी विभागों में पहुंचे। उन्होंने राजस्व विभाग में आय के संबंध में जानकारी ली गई। जल यंत्रालय विभाग में उन्होंने पूछा कि जलप्रदाय की शिकायतें किस प्रकार की आती हैं। गंदे पानी की शिकायत का निराकरण करने का तरीका क्या होता है। निगमायुक्त जोनल कार्यालय के सुविधाघर भी देखने गए। उन्होंने कार्यालय की रंगाई-पुताई कराने और प्रांगण में ब्लाक लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सीएसआइ से कहा कि डोर टू डोर कचरा संग्राहक वाहनों को निर्धारित समय पर फील्ड में निकालें और इन वाहनों की धुलाई-सफाई भी कराते रहें। गोबर धन खाद और गोशाला के लिए कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा निगमायुक्त वर्मा ने मंगलवार सुबह सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ यशवंत सागर रोड, रेशम केंद्र के पास स्थित निगम की गोशाला का निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने निरीक्षण की शुरुआत मधुमिलन चौराहे से की। आरएनटी मार्ग, रीगल तिराहा, राजकुमार ब्रिज, डीआरपी लाइन, भंडारी ब्रिज चौराहा, पोलोग्राउंड रोड, मरीमाता चौराहा, किला मैदान चौराहा, वीआइपी रोड, 60 फीट रोड, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फुटपाथ पर लगे लिटरबीन की सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। वे रेशम केंद्र गोशाला पहुंचे। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं गोशाला प्रभारी डा. अखिलेश उपाध्याय ने निगमायुक्त को बताया कि यहां आने वाली गाय को अलग-अलग शेड में रखा जाता है। गोशाला में दुर्घटनाग्रस्त एवं बीमार गायों के उपचार के लिए केंद्र भी बनाया गया है। निगमायुक्त ने इस गोशाला को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के भी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए और कहा कि गोशाला से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में निकलने वाले गोबर धन के लिए उपयोग और किसानों एवं अन्य को उपलब्ध कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाए।

संत हिरदाराम नगर में महिलाओं के बीच रोचक स्पर्धाएं हुईं, मिले पुरस्कार

सिटी चीफ भोपाल।

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित पारिवारिक मिलन समारोह में महिलाओं के बीच रोचक स्पर्धाएं हुईं। महिलाओं एवं युवतियों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया। गीत संगीत कार्यक्रम में सभी झूम उठे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार वितरित किए गए। सीहोर रोड स्थित आनंदम ग्रीन परिसर में पारिवारिक माहौल में हुए इस आयोजन में युवाओं ने भी खासा उत्साह दिखाया का आयोजन किया गया। इस पिकनिक स्पॉट पर लोगों की भीड़ अलग ही दिखाई दे रही थी, लगभग 600 लोगों से अधिक लोगों ने भाग लिया, पिकनिक मनाने में किशोरियों और युवाओं के

दल अलावा महिलाओं की संख्या अधिक थी। इस दौरान महिलाओं के लिए चम्मच रेस, तंबोला, फन क्विज़, चेयर रेस, पुल पार्टी, डांस म्यूजिक, इत्यादि गेम्स खेले गये, सभी लोगों ने इस पल को खूब एंज्याय किया एवं इस पल की यादो को कैमरे में कैप्चर कर लिया गया, साथ ही लज़ीज व्यंजन का भी लोगों ने भरपूर लुफ्त उठाया। इस अवसर पर सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि सिंधी मेला समिति द्वारा पिछले 6 वर्षों के बाद इस पारिवारिक पिकनिक का आयोजन किया गया है, शुरुआत में यह आयोजन 200-300 लोगो के बीच में होता था परंतु इस वर्ष यह आकड़ा 600 के पार पहुँच चुका है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक भगवानदास सबनानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी, प्रदीप आर्त्तवानी, महेश बजाज, ठाकुर पंजवानी, पिकनिक संयोजक सुनील किंगरानी, हरीश मेंघानी महिला संयोजक सिया आसुदानी, पूजा भाटिया. शकुन रामरख्यानी, सुनील मंगवानी, चंदन डुलानी सहित समाज के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित हुए थे।

वर्ष 2021 से पहले भवन अनुज्ञा लेने वालों को कंपाउंडिंग में मिलेगी 30 प्रतिशत की छूट

सिटी चीफ भोपाल।

नगर निगम अब आर्थिक तंगी से निपटने के लिए कंपाउंडिंग के नियमों में संशोधन करने जा रहा है। इसके तहत वर्ष 2021 से पहले भवन अनुज्ञा लेने वाले भवन मालिक तय भवन अनुज्ञा से 30 प्रतिशत अधिक निर्माण की कंपाउंडिंग करा सकेंगे। वहीं इसके बाद जिन्होंने भवन अनुज्ञा ली है, उन्हें भी 10 प्रतिशत तक अवैध निर्माण की कंपाउंडिंग कराने की छूट दी जाएगी।अभी शहर में साढ़े चार लाख से अधिक संपत्तियां हैं। इनमें से 80 फीसदी में भवनों के निर्माण में भवन अनुज्ञा के नियमों का पालन नहीं किया गया है। यानि कि यहां भवन अनुज्ञा से इतर अवैध निर्माण किया गया है। इन

संपत्तियों को नगर निगम ने चिंहित कर लिया है। अब इनके सीमांकन का काम बुधवार से शुरु होगा। बता दें कि डेढ़ साल पहले निगम ने कंपाउंडिंग मुहिम शुरू की थी, जो कुछ दिनों पहले ही बंद हो गई। अब एक बार फिर निगम ने कंपाउंडिंग मुहिम शुरू की जा रही है। कंपाउंडिंग से निगम को हो चुकी है 100 करोड़ रुपये की आय इसके पहले नगर निगम चार हजार भवनों की कंपाउंडिंग करा चुका है। जिससे करीब 100 करोड़ रुपये की आय हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2021-22 में निगम की कुल आय 750 करोड़ थी। इसमें से 100 करोड़ सिर्फ कंपाउंडिंग का शुल्क था। इस बार भी निगम को 100 करोड़ रुपए से अधिक आय की उम्मीद है। वर्ष 2021 से पहले तय भवन अनुज्ञा से 30 प्रतिशत तक अधिक निर्माण करने वालों को कंपाउंडिंग में छूट दी जा रही है। वहीं इसके बाद जो अवैध निर्माण हुआ, उसमें 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

बीआरटीएस कॉरिडोर पार कर रहे युवक को कार ने मारी टक्कर, उपचार के दौरान मौत

सिटी चीफ भोपाल।

मिसरोद के सी 21 माल के सामने बीआरटीएस कॉरिडोर में सोमवार रात 11 बजे एक तेज रफ्तार कार ने युवक को कुचल दिया, उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के समय वह कॉरिडोर पार कर रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मिसरोद थाने एएसआइ प्रदीप मिश्रा ने बताया मूलत- रायसेन का रहने वाला 18 वर्षीय अजय प्रजापति गणेश नगर में किराये का कमरा लेकर रहता था। वह नर्मदापुरम रोड सागर गैरे में काम करता था, रात में करीब 11 बजे काम खत्म करने के बाद घर जा रहा था। जब वह बीआरटीएस कॉरिडोर पार कर रहा था इसी दौरान मिसरोद की तरफ से भोपाल जा रही एक कार ने उसे टक्कर मार दी। कार से टक्कर से वह हवा में उछला कर सड़क पर गिरा। उसके सिर में गंभीर चोट लगी। हादसे के बाद कार चालक भाग गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उसे घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। 15 दिन पहले दंपती की हुई मौत

इसी बीआरटीएस कॉरिडोर में एक दंपती को कार ने टक्कर मार दी थी। उसमें दोनों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस और नगर निगम ने इस कारिडोर में हादसे रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। लगातार हादसे हो रहे हैं,लेकिन अधिकारी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। अधिकारियों की अनदेखी का खामियाजा लोगों को जान देकर चुकाना पड़ रहा है। देर रात बीआरटीएस कॉरिडोर में लोग तेज रफ्तार में वाहन चलाकर निकल रहे हैं। कॉरिडोर हटाने की शुरूआत के बाद से वाहन अब इसी में चल रहे हैं।

पास्ता में निकला कॉकरोच, विस्ट्रो रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित

सिटी चीफ भोपाल।

एमपीनगर के एक माल स्थित विस्ट्रो रेस्टोरेंट के पास्ता में कॉकरोच निकलने के बाद उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शांतनु त्रिपाठी ने मंगलवार दोपहर के समय खाद्य सुरक्षा अधिकारी को शिकायत दर्ज कराई कि एमपी नगर स्थित माल के विस्ट्रो रेस्टोरेंट में उनकी पत्नी पास्ता खाने गई थीं। आर्डर पर जब पास्ता लिया गया, तो उसमें जला हुआ कॉकरोच मिला। रेस्टोरेंट के स्टाफ ने किया विवाद उन्होंने जब रेस्टोरेंट के स्टाफ को कॉकरोच दिखाया तो वह विवाद करने लगे। जिसके बाद

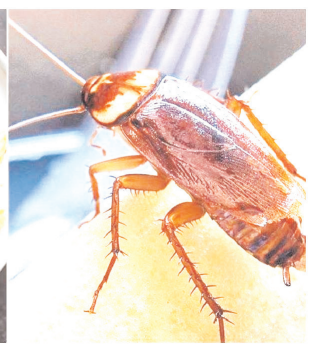

इसकी शिकायत की गई। शिकायत के आधार पर खाद्य अमला जांच करने पहुंचा, तो उसे वहां दर्जनों कॉकरोच मिले। रेस्टारेंट मैनेजर भी कॉकरोच को लेकर कोई जवाब नहीं दे सके। जिसको देखते हुए अमले ने रेस्टोरेंट का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। खाद्य अफसरों का कहना है कि रेस्टोरेंट के संचालक ओमप्रकाश बलवानी हैं। इस मामले में शिकायत के बाद कार्रवाई की गई है।

छुट्टी के दिन खुलेंगे पंजीयन कार्यालय स्लाट की संख्या बढ़ाकर की 924

सिटी चीफ भोपाल।

नये वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रापर्टी की दरों में वृद्धि होने के चलते लोगों ने वर्तमान दरों पर रजिस्ट्री कराना शुरू कर दी है। इसके चलते पंजीयन विभाग ने छुट्टी के दिन भी कार्यालय खोलने का निर्णय लिया है। साथ ही स्लाट की संख्या बढ़ाकर 924 कर दी गई है। हालांकि 25 मार्च को होली पर्व की वजह से कार्यालय बंद रहेंगे। इसके अलावा 31 मार्च तक सभी दिन पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे।बता दें कि नये वित्तीय वर्ष में जिले के 1443 स्थानों पर लगभग पांच से 95 प्रतिशत तक प्रापर्टी के दाम बढ़ जाएंगे। जिले में आइएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया में पंजीयन कार्यालय स्थित हैं। जहां पर लोग प्रापर्टी की रजिस्ट्री कराने पहुंच रहे हैं। मार्च महीने में प्रतिदिन रिकार्ड 300 से अधिक दस्तावेज रजिस्टर्ड किए जा रहे हैं।इसी के चलते पंजीयन विभाग ने प्रति सब रजिस्ट्रार 72 स्लाट कर दिए हैं। जिले में कुल

13 सब रजिस्ट्रार हैं। भूखंड की सबसे अधिक रजिस्ट्रियां एक अप्रैल से लागू होने वाली नई कलेक्टर गाइडलाइन के चलते वर्तमान दरों पर लोग भूखंड और घरों की रजिस्ट्री करवा रहे हैं।बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिन में जिले में एक हजार से अधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं।इनमें भूखंड और बंधक प्रापर्टी के दस्तावेज सबसे ज्यादा है।अब यह संख्या 31 मार्च तक बढ़ने की उम्मीद है। रजिस्ट्रियों की संख्या बढ़ने के चलते सर्वर धीमा हो जाता है। ऐसे में सेवा प्रदाता रात से सुबह चार बजे तक स्लाट बुक कर रहे हैं। दरअसल देर रात से सुबह चार बजे तक सर्वर की रफ्तार ठीक रहती है। उस दौरान जो स्लाट बुक होते हैं, उन्हीं की रजिस्ट्री हो पाती है। इनका कहना है-- एक अप्रैल से नई कलेक्टर गाइडलाइन जारी हो जाएगी। ऐसे में वर्तमान दरों पर लोग इस महीने में रजिस्ट्रियां करवा सकते हैं। लोगों की सुविधा के लिए अवकाश के दिन भी पंजीयन कार्यालय खोले जाएंगे और स्लाट की संख्या भी बड़ा दी गई है।

सार्वजनिक परिवहन में डिजिटल लेन-देन में बीसीएलएल को देश में पहला स्थान

सिटी चीफ भोपाल।

देश भर में संचालित सार्वजनिक परिवहन में डिजिटल लेन-देन के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) को देश में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। दिल्ली में आयोजित समारोह में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव व आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रभारी सचिव अनुराग जैन बीसीएलएल के मनीष चौबे को स्मृति चिंह और प्रमाणपत्र सौंपा। इसमें देश भर की 45 शहरी परिवहन उपकरण और राज्य परिवहन विभागों ने हिस्सा लिया था। बता दें कि यात्रियों को बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा और इसमें सुधार के लिए राज्य परिवहन और शहरी बस परिवहन उपक्रम को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते हैं।

इसमें जो उपक्रम स्वयं से बसों को खरीदकर उनका परिचालन करते हैं, उनके लिए पुरस्कार की 12 श्रेणियां थी। जबकि जिस संस्था में बसों का संचालन और खरीदी आपरेटरों द्वारा की जाती है, उनके लिए छह श्रेणियां थी। इसमें डिजिटल लेन-देन करने और यात्रियों से डिजिटल किराया भुगतान लेने के मामले में बीसीएलएल को देश में प्रथम स्थान मिला है। सार्वजनिक बस परिवहन के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान एएसआरटीयू द्वारा राष्ट्रीय सार्वजनिक बस परिवहन उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाला भोपाल मप्र का एकमात्र शहर है। प्रतिदिन डेढ़ लाख यात्री कर रहे यात्रा नगर निगम की होल्डिंग कंपनी बीसीएलएल द्वारा शहर के 24 मार्गों में यात्रियों की सुविधा के लिए 368 बसों का संचालन किया जा रहा है। इसमें प्रतिदिन करीब डेढ़ लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। बीसीएलएल और आपरेटरों द्वारा यात्रियों को डिजिटल भुगतान के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत यूपीआइ से भुगतान और स्मार्ट बस पास की सुविधा भी दी गई है।

फिटनेस इंफ्लूएंसर ने फांसी लगाकर जान दी

इंस्टा के बायो में लिखा- कायर की तरह जीने से मरना अच्छा

सिटी चीफ भोपाल।

कोलार के सर्वजन सोसायटी कल्याणकुंज में अपने दोस्त के घर आए एक 21 वर्षीय छात्र दुर्गजीत सिंह आर्य ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह राजस्थान के बाड़मेर का रहने वाला था। दुर्गजीत सिंह फिटनेस इन्फ्लूएंसर था। जानकारी के अनुसार छात्र भोपाल में अपने पेपर देने आया था। वह मध्यप्रदेश के अमरकंटक में पढ़ाई कर रहा था।कोलार पुलिस के मुताबिक दुर्गजीत सिंह आर्य का रविवार को प्रतियोगी परीक्षा का पेपर था। इसलिए वह 14 मार्च को भोपाल आया था बताया जाता है कि अगले ही दिन अपने कमरे की चाबी देकर उसका दोस्त अपने घर होली मनाने चला गया था। 17 मार्च को उसने परीक्षा दी और तब से वह घर में अकेला था। जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो मकान मालिक ने उसे देखने गए, जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने कमरे की खिड़की से झांककर देता तो वह कमरे में

फांसी पर लटका था। बाद में मकान मालिक ने कोलार पुलिस मौके पर सूचना देकर बुलाया। पुलिस ने शव को हमीदिया अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने उसके दोस्त से नंबर लेकर उसके स्वजनों को फोनकर मामले की जानकारी दी। उनके आने के बाद उसका पोस्टमार्टम बुधवार को किया जाएगा। जानकारी के अनुसार दुर्गजीत अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देता था। उसने किन कारणों से यह कदम उठाया है। उसका कारण सामने नहीं आ पाया है। वह एनसीसी का कैडेट रह चुका था। इंस्टा के बायो में लिखी यह बात दुर्गजीत ने अपने इंस्टा बायो में लिखा है- कायर भांडा मरना रामरू। इसका अर्थ होता है कायर की तरह जीने से मरना अच्छा है। यह वाक्य भारतीय सेवा की गोरखा राइफल्स का आदर्श वाक्य बताया जाता है। दुर्गजीत की इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एनसीसी की वेशभूषा में अनेक स्टोरी डाली गई हैं।

उम्मीदवार ने बैंड पार्टी के साथ किया प्रचार तो खर्च में जुड़ जाएंगे सात हजार रुपये

प्रचार के लिए सामग्री की ये दरें तय

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार द्वारा बैंड पार्टी से प्रचार-प्रसार किया तो सात हजार रुपये खर्च में जोड़ दिए जाएंगे। वहीं यदि किसी का प्रचार के दौरान स्पेशल अंजीर मिठाई से मुंह मीठा कराया तो एक हजार रुपये जेब से खर्च हो जाएंगे। जबकि चुनाव के दौरान डीजे से प्रचार-प्रसार पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। निर्वाचन शाखा द्वारा मंगलवार को चाय,नाश्ता, बैंड, सवारी, पटाखा, मिठाई सहित 400 वस्तुओं की दरें तय कर दी गई हैं। इन दरों को राजनीतिक दलों के समक्ष भी रखा गया। जिन्होंने मिठाई की दरों पर असहमति जताई है। जिला निर्वाचन शाखा द्वारा इन दरों की सूची तैयार कर ली गई है। जिसे बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अनुमति के बाद जारी कर दिया जाएगा।

दो ढोल के प्रतिदिन लगेंगे 1500 रुपये

लोकसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार के दौरान दो ढोल वाले बुलाने पर प्रतिदिन 1500 रुपये और घोड़ा-गाड़ी बुलाने पर प्रतिदिन 2100 रुपये तय किए गए हैं।इनके अलावा एक कट चाय पांच रुपये, पूड़ी, सब्जी और अचार के 50 रुपये जबकि मीठा लेने पर 16 रुपये अलग से जोड़े जाएंगे। स्पेशल अंजीर 1045 रुपये प्रति किलो चुनावी बैठक में मिठाइयों को लेकर

जो दरें तय की गई हैं। उनमे सबसे महंगी स्पेशल अंजीर 1045 रुपये प्रति किलो और स्पेशल काजू कतली 979 रुपये प्रति किलो है। जबकि साधरण काजू कतली 849 रुपये प्रति किलो, सादा बर्फी 460 रुपये,मिल्क केके 484 रुपये प्रतिकिलो की दरें तय की गई हैं। 41 सीटर बस के देना होंगे चार हजार चुनाव प्रचार के लिए खाली ई-रिक्शा का उपयोग करने पर प्रतिदिन के हिसाब से एक हजार रुपये, छोटा आटो 1500 रुपये का जोड़े जाएंगे।इसके अलावा 20 सीटर बस के 2500 रुपये, 30 सीटर 3000, 40 सीटर 3500 और 41 सीटर से अधिक वाली बस के 4000 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जोड़े जाएंगे। इसमें पेट्रोल और डीजल खर्च अलग से रहेगा।

संपादकीय

द नक्सल स्टोरी, और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा

'बस्तर द नक्सल स्टोरी', इस फिल्म शुरुआत के वक़्त चलने वाला डिस्क्लेमर कहता है कि फिल्म के कुछ दृश्य आपको विचलित कर सकते हैं कई फिल्म रिव्यु कहते हैं कि ये फिल्म परेशान करने वाली है। पर, मैं जब से फिल्म देखकर आया हूँ कहीं बस्तर के जंगलों में ही खोया हुआ हूँ। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने रूपए बटोरती है, वो एक अलग बात है, पर जो ख़ास बात है वो ये कि अब बॉलीवुड भी समझ रहा है कि और भी ग़म हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा। मुझे इस कहानी में वो दिखा जो अब कुछ साल से धीरे धीरे दिखने लगा है। बॉलीवुड में जमीनी कहानी कहने का दम और साहस। इस फिल्म ने मुझे वो उम्मीद दी कि अब बॉलीवुड या हिंदी सिनेमा ज़मीनी सचाई से भरी कहानियां कहने को बिलकुल तैयार है। वो तैयार है कि जनता जाने कि पिछले कई दशक से जो खबरें उसने अखबारों में दो या तीन कॉलम के समाचारों में पढ़ीं या फिर टॉप 50 खबरों में जो सरपट निकल गयीं, उसकी पूरी कहानी क्या थी, पृष्ठभूमि क्या थी, वो कौन लोग थे जो कह नहीं पाए, वो कौन लोग थे जिनकी आवाज़ सालों साल हम तक पहुंची ही नहीं, या शायद पहुँचने ही नहीं दी गया। ऐसा नहीं है कि नक्सलवाद और नक्सलियों पर पहले फिल्म नहीं बनीं, पर उसमें वो सिर्फ कोई पात्र बनकर रह गए। माओवाद और नक्सलवाद पर समाचार चैनलों ने भी कुछ ख़ास न तो समझ बनायी, न खबर दिखाई। जब जब हमले हुए तो कितने मरे, किसने ज़िम्मेदारी ली से आगे समाचार चैनल न तो बढ़ पाए न बढ़ना चाहा जो ख बरें आयीं वो भी फर्ज निभाने के खांचे में ज़्यादा फिट होती दिखाई दी। सरकारों के साथ साथ खबरिया चैनल भी मौन ही तो रहे अक्सर। अब पिछले कुछ सालों से चाहे वो कश्मीर फाइल हो, केरला स्टोरीज हो , माझी हो , लापता लेडीज हो या फिर बस्तर द नक्सल स्टोरी, ये सिर्फ कह नहीं रहे, सवाल भी कर रहे हैं। विपुल शाह की ये फिल्म जो कुछ दिखाती है वो देखने के लिए शायद हिम्मत चाहिए और जिस तरह से दिखाती है वो भी देखने के लिए हिम्मत चाहिए। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे नक्सलियों ने वहां अपनी एक अलग सत्ता बना ली है. कैसे उन्होंने वहां के लोगों की जिंदगी तहस नहस कर दी है। आईपीएस ऑफिसर नीरजा माधवन नक्सलवादियों को कैसे खत्म करती हैं, कैसे वो देश के सिस्टम से लड़ती हैं और ये कहानी बड़े खौफनाक तरीके से पर्दे पर पेश की गई है। अब जब बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक ऐसी फिल्में आने लगी हैं तो इन्हें एजेंडा और प्रोपेगेंडा भी कहा जाता है। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने आतंक की नक्सली क्रूरता और तंत्र की विवशता के बीच पिस्ते आदिवासियों की कहानी को कहने में यकीनन तगड़ी रिसर्च की होगी ऐसा जान पड़ता है। मैं बस्तर- द नक्सल स्टोरी को किसी सियासी चश्मे की बजाये उस सृजनात्मक लेंस से देखना पसंद करूँगा जहां आखिर सुदूर झारखंड, छत्तीसगढ़, केरला के गाओं मोहल्लों के नाम, उनकी समस्याएं, उनकी खुशियां मुंबई-दिल्ली होती हुई समस्त विश्व में पहुँच रही हैं। निर्माता अब सिर्फ रिस्क नहीं ले रहा, वो ऐसी कार्ययोजना भी गढ़ रहा है कि जिस से कम से कम इन मुद्दों पर बातचीत नए सिरे से शुरू हो। हम कलाकारों को भी अब इस तरह की कहानियां जोशपूर्ण प्रोत्साहन दे रही हैं, क्यूंकि हमें भी लगता है कि सिर्फ पात्र नया नहीं है, उस पात्र के ज़रिये हम उस पात्र और कहानी को दुनिया तक सही ढंग से ले जाने की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं। कहते हुए कंपनी। बुद्धा इन ट्रैफिक जैम , पेज 3 , एक हसीना थी जैसी फिल्मों मके बाद बस्तर द नक्सल स्टोरी में आई जी के सचिव श्रीवास्तवजी का बेहतरीन किरदार निभाने वाले गोपाल के सिंह बड़े दिलचस्प ढंग से कहानी, कलाकार और चुनौतियों की बात कह जाते हैं। ये चुनौतियां अब अक्सर कलाकारों को झेलनी होंगी क्यूंकि जनता भी इन ज़मीनी कहानियों में खुद को पहचानने लगी है , फिर चाहे वो बॉलीवुड में बनी12वी फेल हो या ह्ज़्ज़पर पंचायत जैसा मीठा कटाक्ष। अब कलाकार भी वो ही चलेगा जो इन जमीनी कहानियों को अपना सा लगेगा। अब वो बात पुरानी हुई कि जो बिक जाये वो हिट। जनता ने अपनी पसंद न पसंद बताकर जता दिया है कि और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा। देश के अमृतकाल में ये एक सुखद संकेत है कि पगडण्डी के अंतिम छोर पर खड़े हिन्दुस्तानी की कहानी भी अब जगह बनाने लगी है।

चुनौतीः तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध, अदृश्य दुश्मन पर नजर रखने के लिए हुई हैं कुछ सराहनीय पहल

भारत बड़े स्तर पर साइबर अपराध और साइबर धोखाधड़ी के हमलों का सामना कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में तो साइबर अपराध के मामले बड़े पैमाने पर बढ़े हैं। दरअसल, कोविड-19 का दौर साइबर अपराध के लिए स्वर्ण युग के रूप में आया। लेकिन वर्तमान स्थितियों को देखकर यही लगता है कि यह आगामी कई दशकों तक हमारे साथ रहने वाला है। आज हम नित-नए प्रकार के साइबर अपराध के मामले देख रहे हैं। दुनिया भर के देशों के लिए साइबर अपराध बड़ी चुनौती बन चुके हैं। सच तो यह है कि इंटरनेट ने भूगोल को इतिहास बना दिया है। इंटरनेट ने साइबर अपराधियों को उनके अपराध का पूरा ताना-बाना बुनने में मदद की है। ऐसे में, साइबर अपराधियों की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति राष्ट्रीय सरकारों के लिए मुसीबत बन गई है। जबकि, सरकारें साइबर अपराध को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय कानून अपना रही हैं। दरअसल, साइबर अपराधी जल्द पैसा कमाने के सारे हथकंडे जानते हैं। अपराधियों को पता होता है कि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को विश्वास में लेकर कैसे आसानी से उन्हें अपना शिकार बनाया जा सकता है और पैसा कमाया जा सकता है। ऑनलाइन धोखाधड़ी आज सबसे बड़े अपराधों में एक हो गई है। आए-दिन हमारे आसपास का कोई न कोई व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बनता दिखता है। अनुमान है कि इंटरनेट का उपयोग करने वाला हर तीसरा व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी से पीड़ित है। अन्य क्षेत्रों की तुलना में आज ज्यादा से ज्यादा लोग बिना किसी प्रशिक्षण के इंटरनेट से जुड़ रहे हैं। और, जब व्यक्ति इंटरनेट से जुड़ता है, तो तमाम सूचनाओं और चुनौतियों के गहरे सागर में गोते लगाता है। भारत में साइबर धोखाधड़ी और अपराध एक तरह से कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है और यह तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में पहचान की चोरी, फिशिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी भारत में सबसे प्रचलित तीन साइबर अपराध हैं। लेकिन समस्या यह है कि अपने देश में साइबर अपराध के मामलों में सजा का अनुपात एक फीसदी से भी कम है। वर्तमान साइबर कानून बढ़ते हुए साइबर अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 में साइबर धोखाधड़ियों से निपटने के लिए कोई प्रत्यक्ष प्रावधान नहीं है। व्यावहारिक रूप से सभी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 420 के तहत पुलिस कार्रवाई करती है, लेकिन इसके बावजूद हम साइबर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी संरचना और दूरसंचार नेटवर्क का दुरुपयोग होता देखते हैं। भारत सरकार साइबर अपराध और धोखाधड़ी को लेकर अत्यधिक चिंतित है। यही कारण है कि सरकार ने कुछ समय पहले 'संचार साथी' पोर्टल लॉन्च किया था। नागरिकों के हित में यह पोर्टल मोबाइल ग्राहकों को सशक्त बनाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें जागरूक बनाने के लिए दूरसंचार विभाग की बड़ी पहल है। संचार साथी के आने के बाद अब लोगों को पता चल जाता है कि उनके नाम पर कितने सिम कार्ड पंजीकृत हैं। इसके अलावा, हाल ही में भारत सरकार ने चक्षु पोर्टल लॉन्च किया है। लोग इस पोर्टल पर साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप आदि माध्यमों से होने वाली किसी भी धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। चक्षु ऑनलाइन धोखाधड़ी से लड़ने के लिए लोगों को शक्तिशाली बनाता है। इससे पहले व्यवस्था थी कि जब कोई साइबर अपराध का शिकार होता था, तो वह उसकी शिकायत कर सकता था। हालांकि नई सरकारी पहलों ने मौजूदा ढांचे के दायरे को बढ़ाया है। चक्षु का उद्देश्य धोखाधड़ी वाले संदेशों और संचारों को उजागर करना और उनका मिलान करना है। यह अंतिम पंक्ति के उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाता है। चक्षु साइबर अपराध से निपटने के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह सरकार को उन सभी संदिग्ध संदेशों और संचारों का भंडार बनाने की अनुमति देगा, जो साइबर अपराधियों द्वारा निर्दोष उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के लिए तेजी से उपयोग किए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चक्षु पोर्टल न केवल उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाएगा, बल्कि वे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ अपने अनुभव भी साझा कर सकेंगे। साथ ही लोग साइबर अपराध के नए तरीकों से बचने के लिए संवेदनशील बनेंगे।

सरकार लोगों को जागरूक करने के लिए चक्षु पर संदिग्ध संदेशों को प्रकाशित कर सकती है। इस तरह की जागरूकता से साइबर अपराध के विरुद्ध लड़ने की क्षमता का निर्माण होगा। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) भी लॉन्च किया है, जो दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए हितधारकों के बीच समन्वय की अनुमति देता है। इसका उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच जानकारी साझा करना है, ताकि सरकारी तंत्र साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ने के लिए एकीकृत ढंग से काम कर सके। चक्षु और डीआईपी की शुरुआत साइबर धोखाधड़ी और अपराधों के बढ़ते खतरे से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। चक्षु को तैयार करने के लिए सरकार की तारीफ करनी चाहिए। इसके अलावा निरंतर जागरूकता की भी जरूरत होगी, ताकि भारतीय डिजिटल उपयोगकर्ताओं को आगे भी सशक्त बनाया जा सके। हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि साइबर अपराधी धोखाधड़ी करने के नए-नए तरीके आजमाएंगे। साथ ही सरकार को भी साइबर अपराध की नई-नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। कानूनी ढांचे को अपडेट करने के साथ ही साइबर अपराधों से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को भी बढ़ाना होगा। साथ ही प्रत्येक हितधारक को साइबर अपराध से लड़ने के लिए अपना-अपना योगदान देना होगा।

(-लेखक सुप्रीम कोर्ट के वकील एवं साइबर कानून विशेषज्ञ हैं)

संकटः मानव-वन्यजीव संघर्ष के जिम्मेदार पशु नहीं जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता की जरूरत

आज मानव-वन्यजीव संघर्ष केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक समस्या के रूप में उभर रहा है। इस संघर्ष में मनुष्य तो मारे ही जा रहे हैं, वन्य जीवन का नुकसान भी कम नहीं हो रहा है। भारत में मानव-वन्यजीव संघर्ष कई रूपों में देखा जाता है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में बंदरों का आतंक, ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली सूअरों द्वारा फसल को नुकसान और बाघों, तेंदुओं और भालुओं जैसे हिसंक जीवों द्वारा मनुष्यों पर हमला शामिल है। मामला इतना गंभीर हो गया कि केरल सरकार को मानव-वन्यजीव संघर्ष को विशिष्ट आपदा घोषित कर बचाव के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी बनानी पड़ी। अब केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मानव-पशु संघर्ष में सहायता करने लगा है, जबकि यह वन विभाग की जिम्मेदारी है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में बाघों की संख्या 3,683 तक पहुंच गई। देश में तेंदुओं की आबादी 2018 से लेकर 2022 तक के चार वर्षों की अवधि में 1,022 (लगभग आठ प्रतिशत) बढ़कर 12,852 से 2022 में 13,874 हो गई है। वास्तविक संख्या थोड़ी अधिक हो सकती है, क्योंकि ये अनुमान तेंदुओं के 70 प्रतिशत निवास की ही सैंपलिंग के आधार पर है। मानव आबादी को सर्वाधिक खतरा तेंदुओं से ही उत्पन्न होता है। उत्तराखंड की राजधानी के कुछ इलाकों में लोगों को रात में घरों से न निकलने की सलाह प्रशासन द्वारा दी गई है। मुख्यमंत्री को राज्य में गुलदारों के बढ़ते हमलों को देखते हुए वन विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियों पर रोक लगानी पड़ी। उत्तराखंड में हर साल मानव-पशु संघर्ष बढ़ रहा है। राज्य गठन के वर्ष 2000 से लेकर 2022 तक, कुल 1,054 लोग वन्यजीवों के हमलों का शिकार हुए और 5,112 व्यक्ति ऐसे हमलों में घायल हुए। उत्तराखंड में गुलदारों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है और मानव जीवन को सर्वाधिक खतरा इन्हीं गुलदारों से है। इस संकट के लिए बेजुबान वन्यजीवों को अकेले दोषी ठहराना न तो न्यायसंगत है और न ही इससे कोई हल निकल सकता है। देखा जाए, तो मनुष्य ही इस संघर्ष के लिए ज्यादा जिम्मेदार है। मानव आबादी बढ़ते जाने से उसका विस्तार वन्यजीव आवासों की ओर हो रहा है। यह स्थिति वन्यजीवों को मानव बहुल क्षेत्रों में भोजन और आश्रय खोजने के लिए मजबूर करती है, जिससे संघर्ष की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिक तंत्र को बदल रहा है और वन्यजीवों के व्यवहार, वितरण और भोजन की उपलब्धता को भी प्रभावित कर रहा है। इससे जानवरों की गतिविधियों और सीमाओं में परिवर्तन हो रहा है। अवैध शिकार और वन्यजीव व्यापार जैसी अवैध गतिविधियां वन्यजीव आबादी को कम कर सकती हैं, जिससे संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और मनुष्यों के साथ संघर्ष हो सकता है। जो समुदाय अपनी आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं, उन्हें वन्यजीवों के साथ संघर्ष का सामना करना पड़ता है। कुछ मामलों में, वन्यजीव व्यवहार के बारे में जागरूकता की कमी और अपर्याप्त शमन उपाय संघर्षों में योगदान कर सकते हैं। संघर्षों को कम करने के लिए शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता आवश्यक है। मानव-वन्यजीव संघर्ष को संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी के 2020 के बाद के वैश्विक जैव विविधता ढांचे में एक वैश्विक चिंता के रूप में मान्यता दी गई है। विशेषज्ञों द्वारा ऐसे कई दृष्टिकोण और उपाय सुझाए गए हैं, जो क्षति या प्रभाव को कम करने, तनाव घटाने, आय और गरीबी के जोखिमों को दूर करने और स्थायी समाधान विकसित करने के लिए अपनाए जा सकते हैं। इन सुझावों में वन्यजीवों को बस्तियों में आने से रोकने के लिए बाधाएं (बाड़, जाल, खाइयां), रखवाली और पूर्व-चेतावनी प्रणालियां, निवारक और विकर्षक (सायरन, रोशनी, मधुमक्खी के छत्ते), स्थानांतरण (वन्यजीवों को स्थानांतरित करना), मुआवजा या बीमा, जोखिम कम करने वाले विकल्प प्रदान करना, साथ ही प्रबंधन भी शामिल हैं। स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र और लोगों को प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाएं वन्य जीवन पर निर्भर करती हैं। इसलिए मानव-वन्यजीव संघर्षों का प्रबंधन संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता विजन-2050 को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें 'मानवता प्रकृति के साथ सद्भाव में रहती है और जिसमें वन्यजीव और अन्य जीवित प्रजातियां संरक्षित हैं।'

एकादशी पर वैष्णव तिलक लगाकर सजे बाबा महाकाल, भगवान गणेश के स्वरूप में दिए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि एकदशी की भस्मआरती में बाबा महाकाल का वैष्णव तिलक लगाकर ड्रायफ्रूट से श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया और लड्डुओं का भोग लगाया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। **भक्त ने दान किया मुकुट** -श्री महाकालेश्वर मंदिर में राजस्थान के जयपुर से पधारे भावेश महाकाल द्वारा पुजारी आकाश शर्मा की प्रेरणा से 1 नग चांदी का मुकुट व 2 नग नाग कुंडल भगवान श्री महाकालेश्वर जी को अर्पित किया गया। जिसका कुल वजन लगभग 2817.400 ग्राम है। जिसे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के मूलचंद जूनवाल द्वारा प्राप्त पर दानदाता का सम्मान किया जाकर विधिवत रसीद प्रदान की गई।

सिद्धू मूसेवाला के पिता ने पंजाब सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- मैं यहीं का हूं और आप मुझे...

नई दिल्ली । दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। बलकौर सिंह ने पोस्ट के जरिए पंजाब सरकार पर उनकी खुशी में विघ्न डालने का आरोप लगाया है। बलकौर सिंह का कहना है कि जब से उनके दूसरे बेटे का जन्म हुआ है तब से भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार उन्हें परेशान कर रही है। याद दिला दें, दिवंगत गायक के निधन के दो साल बाद उनकी माता चरण कौर सिंह ने 17 मार्च के दिन दूसरे बच्चे को जन्म दिया है।

क्या बोले बलकौर सिंह? मंगलवार को बलकौर सिंह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, वाहेगुरु के आशीर्वाद के कारण, हमें अपना शुभदीप (दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला का नाम) वापस मिल गया। लेकिन, सरकार सुबह से मुझे परेशान कर रही है, मुझसे बच्चे के दस्तावेज पेश करने के लिए कह रही है। वे मुझसे कह रही है कि मैं ये बात साबित करूं कि ये बच्चा वैध है। बता दें, बलकौर सिंह और चरण कौर सिंह ने बच्चे को जन्म देने के लिए आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) का इस्तेमाल किया है। हालांकि, बलकौर सिंह ने इसका जिक्र नहीं किया। दरअसल, तीन साल पहले सरकार सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) अधिनियम लेकर आई थी। इस अधिनियम के जरिए सरकार ने आईवीएफ प्रक्रिया के लिए एक आयु सीमा तय की थी। अधिनियम के तहत 21-50 वर्ष की महिलाएं और 21-55 वर्ष के पुरुष ही आईवीएफ का इस्तेमाल कर सकते हैं। किंतु इंटरनेट पर सिद्धू मूसेवाला की माता की आयु 58 वर्ष बताई जा रही है।

क्या बोले सिद्धू मूसेवाला के पिता? बलकौर सिंह ने कहा, मैं सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से अनुरोध करना चाहता हूं कि सभी उपचारों को समाप्त करने की अनुमति दी जाए। मैं यहीं का हूं और आप मुझे (पूछताछ के लिए) जहां भी बुलाएंगे, मैं आ जाऊंगा। बलकौर सिंह ने ये भी कहा कि उन्होंने सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया है और जल्द ही सभी दस्तावेज पेश करेंगे।

'शैतान' की पूरी शूटिंग खुद को संभाले रखा, लेकिन आखिरी दिन जबात हुए बेकाबू और फिर..

अजय देवगन की फिल्म शैतान में देखा जाए तो अभिनय के मामले में अभिनेत्री जानकी बोदीवाला अव्वल नंबर पर रही हैं। फिल्म में बची सी दिखने वाली इस अदाकारा ने अजय देवगन और योतिका की किशोरवय बेटी जाह्नवी का किरदार निभाया है। लेकिन, गुजराती सिनेमा में काम करते हुए जानकी को लंबा अरसा हो चुका है और वह इस समय 28 साल की हैं। जिस गुजराती फिल्म वश की 'शैतान' हिंदी रीमेक है उसमें जानकी ने आर्या की भूमिका निभाई थी। 30 अक्तूबर 1995 को अहमदाबाद में जन्मी जानकी हिंदी सिनेमा में अपनी डेब्यू फिल्म शैतान को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनसे एक खास बातचीत... मैंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म इंडस्ट्री से की। जिस तरह से आम लड़कियों की बचपन में सोच होती हैं कि एक्टिंग करनी है, उसी तरह की मेरी भी सोच रही है। बचपन में सभी अभिनेत्रियों को देख कर लगता था कि एक्टर ही बनना है। जब फिल्में देखती थी तो मुझे लगता था कि फिल्म की एक्ट्रेस खुद ही गा रही हैं, लेकिन जब होश संभाला तब समझ में आया कि गाने तो किसी और ने गाए हैं, बस उन गानों पर वह परफॉर्म कर रही हैं। मुझे काजोल, करीना कपूर खान और आलिया भट्ट की फिल्में बहुत पसंद हैं। उनकी फिल्में देखकर ही अभिनय की तरह मेरा झुकाव हुआ। मेरी शुरुआत गुजराती फिल्म छेलो दिवस से हुई। इस फिल्म के लिए मैंने ऑडिशन दिया, उसमें मेरा चयन हो गया। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई और साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म रही हैं। इस फिल्म से पहले अभिनय के बारे में मुझे कुछ नहीं पता था, क्योंकि न ही मैंने कहीं से एक्टिंग सीखी है और न ही थियेटर किया है। जो भी मैंने सीखा है फिल्मों में काम करके ही सीखा है। छेलो दिवस के बाद मैंने गुजराती में ओ तारी तंबूरो, दाउद पकाड, छुट्टी जशे छक्का, तारि माटे वन्स मोर, बाऊ ना विचार, नाड़ी दोष और वश जैसी फिल्मों में काम किया। मैं बहुत ही नर्वस थी। फिल्मों से मेरा दूर-दूर तक कोई नाता नहीं और ना ही मेरे परिवार का। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि सेट पर कितने लोग होते हैं, कैमरे के सामने कैसे परफॉर्म करना है। मैं उस स्टूडेंट की तरह थी, जो बिना किसी तैयारी के एग्जाम हाल में थी। मेरी स्थिति बिल्कुल वैसी ही थी। पहले दिन जब शूटिंग पर गई तो उस दिन मेरा पहला सीन नहीं था। मैं चुपचाप कोने में खड़े होकर सब देख रही थी कि कैसे सब लोग परफॉर्म कर रहे हैं। उस फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं बहुत खुश थी कि गुजराती फिल्म का हिंदी में रीमेक बन रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। गुजराती फिल्म इंडस्ट्री अभी धीरे-धीरे उन्नति कर रही है। जिस हिसाब से गुजराती फिल्में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं, उस हिसाब से हिंदी में रीमेक बनाना बहुत बड़ी बात है। फिल्म शैतान के लिए प्रोडक्शन टीम से फोन आया था। पहले मुझे पता था कि यह होने वाला है। लेकिन मुझे तब तक यकीन नहीं हुआ जब तक फिल्म रिलीज नहीं हो गई। जब फिल्म रिलीज हो गई तक मुझे यकीन हुआ कि हां यार, यह हुआ है। हम सब तो उनके बहुत बड़े फैंस हैं ही, इस बात में कोई शक नहीं है। लेकिन मुझे उनके साथ काम भी करना था। मैं उनकी कितनी बड़ी जबरदस्त फैन रही हूं, पूरी एक महीने की शूटिंग के दौरान जाहिर नहीं होने दिया। लेकिन जैसे ही फिल्म की शूटिंग खत्म हुई, मैं अपने जबात को रोक नहीं पाई। धीरे से अजय सर के पास गई और कहा कि सर, क्या मैं आपके साथ एक सेल्फी ले सकती हूं? उन्होंने कहा, ऑफ कोर्स। उसके बाद मैंने उनको बताया कि उनकी कितनी बड़ी फैन हूं।सबसे पहले मैंने उनकी फिल्म हम दिल दे चुके सनम देखी थी।

तब मैं बहुत छोटी थी, इस फिल्म की अभी भी बहुत सारी यादें हैं। इसके अलावा अजय सर की फिल्म खाकी मुझे बहुत पसंद हैं। इस फिल्म में अजय सर मुझे बहुत अछे लगे थे। खाकी के अलावा मुझे उनकी फिल्म काल देखने में बहुत मजा आया था। मैं अपने आपको बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि जिनकी मैं इतनी बड़ी जबर्दस्त फैन हूं, हिंदी सिनेमा में उनके साथ काम करने का मौका मिला। अजय सर से फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला। बहुत बढ़िया अनुभव रहा है। उनकी काम के प्रति समर्पण की भावना देखकर उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। अपने किरदार को लेकर उनकी खुद की जो सोच और काम करने का जो तरीका था, वह देखने में मेरे लिए एक एक्टिंग स्कूल की तरह था। अजय सर, माधवन सर और योतिका मैम से बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं अपने आपको काफी भाग्यशाली मानती हूं कि करियर के शुरुआत में भारतीय सिनेमा के दिग्गज सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। मेरे पापा भरत बोदीवाला वकील हैं और मम्मी कश्मीरा बोदीवाला गृहणी हैं। मेरा छोटा भाई ध्रुपद बोदीवाला कनाडा में पढ़ाई कर रहा है। मेरे एक्टिंग प्रोफेशन में मम्मी-पापा का बहुत ही सहयोग रहा है। हमेशा मुझे इसी बात के लिए प्रोत्साहित किया करते हैं कि तुमको जिस काम में मजा आ रहा है, वही काम करना चाहिए।

गाने से शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचीं थीं अलका याग्निक

मुंबई। गायिका अलका याग्निक का 20 मार्च 1966 को पश्चिम बंगाल, कोलकाता में जन्म हुआ था। इनकी माता का नाम शुभा याग्निक है और वो एक क्लासिकल सिंगर थीं। अलका गुजराती हिन्दू परिवार से आती हैं। अलका याग्निक एक भारतीय प्रसिद्ध पार्श्वगायिका हैं। ये अपनी गायिकी से सिनेमा में तीन दशकों तक राज किया है और संगीत के क्षेत्र में अपनी गायिकी का लोहा मनवाया है। अलका याग्निक को कई नेशनल अवार्ड और फिल्मफेयर अवार्ड से नवाज़ा जा चुका है।सिनेमा के तीन दशकों तक पुराने करियर में इन्होंने एक से बढ़ कर एक गाने गाये हैं। लता और आशा के बाद अगर किसी का नाम लिया जाता है, तो वो अलका याग्निक हैं। अलका ने अपने करियर के दौरान हिंदी के अलावा उर्दू, गुजराती, अवधी, भोजपुरी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में भी गाने गाये हैं। अलका ने शिल्पोंग के मशहूर बिज़नेसमैन नीरज कपूर के साथ वर्ष 1989 में शादी की थी। उनकी बेटी का नाम सयेशा है। 14 साल की छोटी सी उम्र में अलका ने फिल्म 'पायल की झंकार' के गाने 'थिरकत अंग लचक झुकीज' गीत से अपना डेब्यू किया। जिसके बाद वर्ष 1981 में आयी फिल्म 'लावारिस' के गाना 'मेरे अँगने में ज' ने उन्हें शोहरत की बुलंदियों तक पहुंचा दिया। साल 1988 आयी फिल्म 'तेजाब' के गाने 'एक दो तीनज' के लिए इन्हे पहली बार फिल्मफेयर अवार्ड मिला। इन्होंने जानी मानीं कई बड़ी-बड़ी फिल्मों के लिए गाने गाये और आज अलका एक विख्यात हस्ती हैं, जिनके गाये हुए गाने लोग आज भी बेहद पसंद करते हैं।

अपने करियर के बारे में इम्तियाज अली ने दिया बड़ा बयान, बोले- चमकीला है मेरे लिए एक नई शुरुआत

निर्देशक इम्तियाज अली इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म %अमर सिंह चमकीला को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए इम्तियाज नौ साल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। अमर सिंह चमकीला में वे दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा के साथ काम करते नजर आने वाले हैं। हाल ही में वे अपने करियर के उतार-चढ़ाव के बारे में मीडिया से खुलकर बात करते दिखाई दिए। इम्तियाज अली बॉलीवुड में अलग पहचान रखते हैं। उनकी फिल्में बॉलीवुड की मसाला फिल्मों से काफी अलग होती है। इम्तियाज अक्सर मानवीय रिश्तों को बेहद खूबसूरती के साथ पर्दे पर उतारते हैं। उनकी आगामी फिल्म पंजाब के पहले रॉकस्टार, अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित है। हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान इम्तियाज ने कहा, मैंने जानबूझकर इतना समय लिया क्योंकि मैं खुद को समझना चाहता था। मेरे लिए अमर सिंह चमकीला एक नई शुरुआत है।इम्तियाज अली अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, आपको पता है चमकीला को उनकी मौत से पहले ही जान से मारने की धमकी मिली थी, लेकिन उन्होंने गायकी नहीं छोड़ा। वे स्टेज पर जाकर आखिरी दिनों तक गाते रहे। संगीत उनके लिए मुहब्बत था और उनकी यही बात मुझे सबसे यादा पसंद आई। संगीत को लेकर उनमें जो दीवानगी थी शायद कहीं न कहीं मैं सिनेमा के लिए वही महसूस करता हूं।इम्तियाज अली ने लव आजकल, जब वी मेट जैसी हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं। दर्शक उनके निर्देशन कला के कायल हैं, लेकिन इम्तियाज को ऐसा नहीं लगता है। इम्तियाज कहते हैं, मैंने जब अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट किया था तब मुझे लगा था कि मुझे निर्देशन नहीं आता है और आज भी मुझे बिल्कुल वैसा ही लगता है। मुझे लगता है कि मैंने अभी तक कुछ सीखा ही नहीं है, कितना कुछ सीखना बाकि है।

दिलजीत दोसांझ की निजी जिंदगी को लेकर कियारा आडवाणी ने किया खुलासा

मुंबई । दिलजीत दोसांझ ने पंजाबी के साथ-साथ हिंदी फिल्मों में भी काम करके दर्शकों का दिल जीता है। वह अभिनेता के साथ ही अद्भुत गायक भी हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन में परफॉर्म करने के बाद से दिलजीत चर्चा में हैं। बाद में उन्होंने विश्व प्रसिद्ध गायक एड शीरन के साथ प्रस्तुति दी। इस बार एंड शीरन ने उनके साथ एक पंजाबी गीत गाया। जल्द ही वह फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आएंगे। दिलजीत दोसांझ की प्रोफेशनल लाइफ के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन वह अपनी पर्सनल लाइफ को बेहद प्राइवेट रखते हैं। कियारा आडवाणी ने एक बार इस 40 वर्षीय अभिनेता के बारे में खुलासा किया है। उनका यह बयान एक बार फिर चर्चा में है। कियारा और दिलजीत ने फिल्म 'गुड न्यूज' में साथ काम किया था। इसमें दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री काफी पसंद आई। फिल्म के प्रमोशन के दौरान कियारा ने दिलजीत को लेकर एक खुलासा किया। कियारा आडवाणी ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान कहा कि फिल्म के मुख्य कलाकारों करीना कपूर, अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ में से वह अकेली हैं, जिनके बच्चे नहीं हैं। दिलजीत बाबा का यही मतलब है।कियारा ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, क्योंकि स्टार कास्ट में मैं अकेली हूं जिसके बच्चे नहीं हैं। दिलजीत ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह जानबूझकर अपने परिवार को लाइमलाइट से दूर रखते हैं। क्योंकि वह नहीं चाहते कि उनकी वजह से उनके परिवार को ट्रोलिंग का सामना करना पड़े। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत शादीशुदा हैं और उनकी पत्नी और बेटा दोनों अमेरिका में रहते हैं, लेकिन दिलजीत ने अब तक कभी इस बारे में बात नहीं की है।

कैसे ऑपरेशन चक्रव्यूह में फंसा एल्विश यादव, जेल जाने की पूरी कहानी, आज जमानत पर सुनवाई

नई दिल्ली । रेव पार्टी आयोजित कराने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया। इसके तहत अलग-अलग टीमें गठित की गईं और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत देशभर में दर्ज मामलों का अध्ययन किया गया। नोएडा पुलिस ने पूछताछ के लिए नोटिस भेजने से लेकर एल्विश यादव की गिरफ्तारी तक के लिए हुए ऑपरेशन को चक्रव्यूह नाम दिया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी की पटकथा एक सप्ताह पहले ही लिखी गई। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के अध्ययन के साथ ही एल्विश मामले में एफएसएल रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन किया गया। पुख्ता सबूत जुटाने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एल्विश के करीबियों का दावा है कि पुलिस की ओर से उसे आश्वस्त किया गया था कि पूछताछ के बाद उसे वापस सकुशल भेज दिया जाएगा। ऐसे में वह जब सेक्टर-73 स्थित अपने दोस्त के फार्म हाउस पर आया तो वह अधिवक्ताओं की फौज लेकर नहीं आया। उसके साथ उसके पिता और तीन अन्य साथी थे। फार्म हाउस से जब उसे पुलिस चौकी पर पूछताछ के लिए ले जाया जा रहा था, तब उसके पिता ने इसका विरोध भी किया था। जिला न्यायालय में वकीलों की हड़ताल के चलते मंगलवार को भी एल्विश यादव की जमानत पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने एल्विश यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार की तिथि निर्धारित की है। एल्विश पक्ष के अधिवक्ता दीपक भाटी और प्रशांत राठी ने बताया कि एल्विश को साजिश के तहत फंसाया गया है।

पिता, बोले बेटा मशहूर है, इसलिए फंसाया एल्विश के परिजनों ने कहा कि उनका बेटा निर्दोष है। मशहूर होने के कारण एनजीओ वाले उसके पीछे पड़े हैं। उनके बेटे ने कोई गलत काम नहीं किया है। न ही वह ऐसी पार्टियों में कभी गया है। पिता का दावा है कि एल्विश ने अब तक कुछ भी कबूल नहीं किया है। बेटा गलतफहमी का शिकार हो गया। एल्विश यादव को जेल की क्वारंटाइन सेल से निकालकर हाई सिक्योरिटी सेल में ट्रांसफर कर दिया गया है। रविवार को गिरफ्तारी के बाद उसे क्वारंटाइन बैरक में रखा गया था। जेल सुपरिंटेंडेंट अरुण कुमार सिंह ने बताया कि एल्विश को जेल में बनी अतिसुरक्षित बैरक में रखा गया है। उन्होंने बताया कि उक्त बैरक में पहले से तीन अन्य लोग बंद हैं, जो अन्य जनपदों से ट्रांसफर होकर नोएडा कारागार में आए हैं। जेल के अंदर एल्विश को सामान्य कैदियों की तरह की खाना और नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगलवार को भी एल्विश से मिलने जेल में कई लोग पहुंचे।

इंदौर में सोना 66025 रुपये की नई ऊंचाई पर, चांदी भी सुधरी

इंदौर। फेड के रुख पर अनिश्चितता बरकरार रहने के कारण इस सप्ताह सोने की कीमतों में फिर से तेजी देखी जा रही है। भारतीय हाजर बाजारों में सोने के दाम नए मुकाम पर पहुंच गए हैं। मंगलवार को इंदौर में सोना कैडबरी नकद में पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ता हुआ नई ऊंचाई पर पहुंच गया। नकद में सोना कैडबरी 66025 रुपये और आरटीजीएस में 67250 रुपये प्रति दस ग्राम बिका। इससे पहले इंदौर में सोने ने कभी भी 66 हजार रुपये के स्तर को पार नहीं किया था।

जानकारों का मानना है कि बिना बिल में दाम कम होने से इसका व्यापार ज्यादा हो रहा है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में भी सोने ने 2152 डालर प्रति औंस के समर्थन स्तर को फिर से हासिल कर लिया। हालांकि कामेक्स पर सोना मार्च की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई से अब भी कुछ नीचे है। इधर, चांदी में भी सीमित पूछताछ रहने से भाव में सुधार रहा। चांदी चौरसा 100 रुपये बढ़कर 74100 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। डालर में मजबूती से सोने की कीमतों में एक बार फिर मजबूती देखने को मिली है।पिछले दो सत्रों में मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद मंगलवार को डालर इंडेक्स दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

बुधवार को दो दिवसीय बैठक के समापन पर फेड द्वारा व्यापक रूप से ब्याज दरों को स्थिर रखने की उम्मीद है, लेकिन पिछले दो महीनों के उम्मीद से अधिक मुद्रास्फीति के आंकड़ों के बाद बाजारों को केंद्रीय बैंक की ओर से किसी भी संभावित आक्रामक संकेत की आशंका है, विशेष रूप से ब्याज दर में कटौती के पूर्वानुमानों में कमी की आशंका है। कामेक्स सोना ऊपर में 2152 तथा नीचे में 2147 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 25.15 व नीचे में 24.79 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। कैडबरी रवा नकद में 66025 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 67250 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 61600 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। सोमवार को सोना 65875 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 74100 रुपये, चांदी टंच 74200 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 74950 रुपये प्रति किलो बोली गई। सोमवार को चांदी 74000 रुपये पर बंद हुई थी।

उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 66150 रुपये तथा सोना रवा 66000 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 74300 रुपये तथा चांदी टंच 74200 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम

सोना स्टैंडर्ड 67300 रुपये तथा सोना रवा 67250 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 75300 रुपये तथा चांदी टंच 75400 रुपये प्रति किलो बोली गई।

कनाडा में काबुली चना का क्षेत्रफल बढ़ने का अनुमान

मसूर और देशी चना घटा

इंदौर। काबुली चने का बाजार भाव ऊंचा रहने से 2023-24 के सीजन में कनाडा के किसान इसकी खेती के प्रति उत्साहित नजर आ रहे हैं। ऐसे में कनाडा में काबुली चने का क्षेत्रफल बढ़ने का अनुमान है। इसे देखते हुए सरकारी एजेंसी स्टैट्स कैन ने गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष कनाडा में काबुली चना के बोवनी क्षेत्र में 27 प्रतिशत का इजाफा होने का अनुमान लगाया है। यदि मौसम ने साथ दिया तो वहां इसके उत्पादन में काफी बढ़ोतरी हो सकती है।आमतौर पर कनाडा में अप्रैल से काबुली चना की बोवनी आरंभ हो जाती है। इस बार कनाडा से इस दलहन का निर्यात भी काफी अच्छा चल रहा है। इसे देखते हुए अंतिम बकाया स्टाक कम बचने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान कनाडा में काबुली चना के सरकारी उत्पादन आंकड़े में कई बार संशोधन परिवर्तन करना पड़ा क्योंकि बकाया स्टाक तथा निर्यात का आंकड़ा उससे मेल नहीं खाता था। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो उत्तरी अमरीका महाद्वीप में ही अवस्थित देश मैक्सिकों में काबुली चना का बिजाई क्षेत्र बढ़ा है, लेकिन मौसम एवं वर्षा की हालत अनुकूल नहीं होने से फसल के विकास में बाधा पड़ रही है। इससे वहां फसल की उपज दर में कमी आ सकती है। आस्ट्रेलिया से देशी चना का निर्यात कमजोर पड़ने लगा है जिससे वहां उत्पादन में गिरावट आने का संकेत है। जहां तक भारत का सवाल है तो यहां काबुली चना उत्पादन अनुमान अच्छा है काबुली चना के नए माल की आवक शुरू हो चुकी है, लेकिन घरेलू और निर्यातकों की मांग बराबर रहने से भाव मजबूत बोले जा रहे हैं। मंगलवार को काबुली चने में फिर तेजी देखने को मिली है। दूसरी ओर चना कांटे और मसूर में लेवाली जैसी होना चाहिए वैसी नहीं होने के कारण भाव मे मंदी रही। चना कांटा 100 रुपये घटकर 5800, विशाल 5400-5550 और मसूर घटकर 5850 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। दूसरी ओर संदेह के आधार पर रोके गए मोजांबिक तुवर के कार्गों को क्लीन चिट मिल गई है। 16 मार्च को मिली जानकारी के मुताबिक मोजांबिक से आयातित तुवर में गड़बड़ी पाए जाने के बाद डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने जांच के लिए लगभग 200 कंटेनर तुवर (5000 टन) रोका था। कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 11800, 42/44 11600, 44/46 11400, 58/60 9900, 60/62 9800, 62/64 9700 रुपये क्विंटल पर पहुंच गया।

दलहन के दाम - चना कांटा 5800, विशाल 5400-5550, डंकी 5300-5400, मसूर 5850, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10300-10400, कर्नाटक 10400-10600, निमाड़ी तुवर 8700-9700, मूंग 8800-9000, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2400, मालवराज 2200, मालवराज बेस्ट 2300-2350 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7650-7750, मीडियम 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, मसूर दाल 7100-7200, बेस्ट 7300-7400, मूंग दाल 10400-10500, बेस्ट 10600-10700, मूंग मोगर 11100-11200, बेस्ट 11300-11400, तुवर दाल 12100-12200, मीडियम 13100-13200, बेस्ट 13900-14000, ए. बेस्ट 14900-15000, पैक तुवर दाल नई 15000, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11200-11300, बेस्ट 11400-11500 रुपये प्रति क्विंटल ।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.88 फीसदी बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में 15.76 लाख करोड़ रुपये रहा था। आयकर विभाग ने यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के जारी आंकडों के मुताबिक 17 मार्च तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 9,14,469 करोड़ रुपये कॉरपोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपये का प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) भी शामिल है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया जा चुका है। आयकर विभाग के मुताबिक सकल आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 18.74 फीसदी अधिक है। सीबीडीटी के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 15,76,776 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 19.88 फीसदी अधिक है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह के संशोधित अनुमान में चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई है।

खेल

पाकिस्तानी तेज गेंदबाज नसीम शाह ने खोली अपनी ही टीम की पोल

थके हुए होने के बावजूद ब्रेक लेने से बचते हैं सीनियर खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान टीम में लंबे समय से सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पहले विश्व कप में हार और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद पाकिस्तानी टीम में हालात सही नहीं चल रहे हैं। टीम प्रबंधन में भी कई परिवर्तन किए जा चुके हैं। यहां तक कि बाबर आजम को भी कप्तानी छोड़नी पड़ी थी। दूसरी ओर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में भी उथल पुथल चल रही है और टीम को कोच के लिए माथापच्ची करनी पड़ रही है। इन सब चीजों के बीच पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने अपने बयान से टीम को मुश्किल में डाल दिया है। नसीम ने बताया कि किस तरह टीम के सीनियर खिलाड़ी थके हुए होने के बावजूद ब्रेक लेने से बचते हैं।

नसीम कंधे की चोट के कारण पिछले साल भारत में हुए 50 ओवर के वनडे विश्व कप से बाहर रहे थे। उन्होंने कहा कि चोट के कारण बाहर रहने होने पर भी उन्हें अपनी जगह गंवाने का डर था। नसीम ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो प्रमुख खिलाड़ी अपने शरीर को आराम देने से डरते हैं। वह जानते हैं कि उन्हें ब्रेक की जरूरत है लेकिन उन्हें पता है कि पाकिस्तान क्रिकेट में माहौल इस तरह का है कि अगर कई नया खिलाड़ी आता है और एक-दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करता है तो आपको पता नहीं चलेगा कि कब उसने स्थायी रूप से टीम में आपकी जगह ले ली है। इस डर के कारण खिलाड़ी आराम नहीं कर पाते हैं। उन्हें डर लगा रहता है कि ऐसा करने से कहीं उनका करियर ही समाप्त ना हो जाए।

यहां कोई खिलाड़ी फिट महसूस नहीं कर रहा- उन्होंने कहा कि अन्य देशों में अगर मुख्य खिलाड़ी ब्रेक लेता है तो उसे आश्वस्त किया जाता है कि उनकी जगह लिए गए खिलाड़ी की जगह उन्हें टीम से बाहर नहीं किया जाएगा। भले ही उस खिलाड़ी ने उनकी अनुपस्थिति में एक-दो मैच में अच्छा प्रदर्शन किया हो। नसीम ने साथ ही कहा कि पाकिस्तान में हालात अलग हैं। अगर यहां कोई खिलाड़ी फिट महसूस नहीं कर रहा है या किसी अन्य कारण से ब्रेक लेना चाहता है तो उसकी प्रतिबद्धता पर ही सवाल खड़े कर दिए जाते हैं।

नसीम ने पीएसएल से की वापसी- नसीम शाह चोटिल होने के कारण एशिया कप के कुछ मैच, विश्व कप और ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड दौरे से बाहर रहे थे।

उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से मैदान पर वापसी की है। नसीम ने कहा कि अगर खिलाड़ी को स्पष्टता दी जाए तो कोई खिलाड़ी लंबे समय तक चोटिल नहीं रहेगा। नसीम ने कहा कि उन्हें शुरूआत में लगा कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है।

सब आते हैं प्रैक्टिस करने लेकिन सफाई का भी रखें ध्यान

मुंबई इंडियंस के स्टार क्रिकेटर ईशान किशन ने दिया संदेश

मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरूआत 24 मार्च को करेगी। एमआई ने पिछले सीजन में चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया और एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया लेकिन दूसरे क्वालीफायर में गुजरात जाइंट्स से हार गई। इस बीच आईपीएल से पहले मुंबई इंडियन के स्टार ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। मुंबई इंडियंस के स्टार क्रिकेटर्स में ईशान किशन भी शामिल हैं, जो वानखेड़े स्टेडियम में एमआई के प्री-सीजन कैंप में पसीना बहा रहे हैं। रविवार को एमआई ने अपने विकेटकीपर-बल्लेबाज की एक क्लिप शेयर की, जिसमें साथी क्रिकेटरों और फैंस को स्टेडियमों को साफ रखने के महत्व पर एक महत्वपूर्ण मैसेज दिया गया। ईशान ने वीडियो में कहा कि,मैं बस यही कहूंगा कि सब लोग आते हैं प्रैक्टिस करें लेकिन लोगों को हर जगह पानी की बोतलें नहीं फेंकनी चाहिए। कोशिश करें और अपने ग्राउंड को साफ रखें। बस छोटी-छोटी चीजें और आप सब कुछ सुधार देंगे। ये छोटे बदलाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। ईशान ने भले ही पिछले साल नवंबर से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है लेकिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से दूर रहने के कारण वह लगातार खबरों में बने हुए हैं। वह रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम झारखंड के लिए भी खेलने नहीं उतरे और फिर उन्हें बीसीसीआई की वार्षिक अनुबंध सूची से बाहर कर दिया।

महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में ओडिशा क्वार्टर फाइनल में, हरियाणा की लगातार दूसरी जीत

पुणे। हरियाणा, ओडिशा और मिजोरम ने रविवार को यहां हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। इस जीत की बदौलत हरियाणा और ओडिशा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। हरियाणा अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल डी मैच में पुडुचेरी को 22-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की। ओडिशा ने पूल ई के मुकाबले में चंडीगढ़ को 6-1 से हराया, जबकि पूल एफ मुकाबले में मिजोरम ने राजस्थान पर 20-2 से जीत हासिल की। तमिलनाडु और उत्तराखंड ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पूल एच में गुजरात को 6-0 जबकि उत्तराखंड ने पूल जी मैच में दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव को मात दी।

सचिव एवं रोजगार सहायक सचिव से परेशान महिला पहुंची जिला मुख्यालय

कलेक्टर एवं जिला सीईओ को दिया लिखित आवेदन

सिटी चीफ । रामनरेश विश्वकर्मा पन्ना, मध्यप्रदेश शासन जहां एक ओर ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए तमाम सारी योजनाओं को संचालित कराकर गांव को समृद्ध करने में लगी हुई है लेकिन पंचायत विभाग में लगातार अनियमितताएं, घोटाले और गड़बड़ी सामने आ रही है। ऐसा ही मामला सामने आया है पन्ना जिले के रैपुरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया खुर्द से जहां पर गांव की सरपंच लीलाबाई आदिवासी द्वारा पंचायत के सचिव लखन लाल यादव पर पंचायत स्तर पर अनेक अनियमिताएं करने के संबंध में गंभीर आरोप लगाए हैं जिसको लेकर ग्राम पंचायत पिपरिया खुर्द की सरपंच लीलाबाई आदिवासी ने लिखित रूप से शिकायत दर्ज करते हुए कलेक्टर पन्ना जिला पंचायत कार्यालय पन्ना में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें सरपंच ने आरोप लगाते हुए कहा है कि ग्राम पंचायत पिपरिया खुर्द

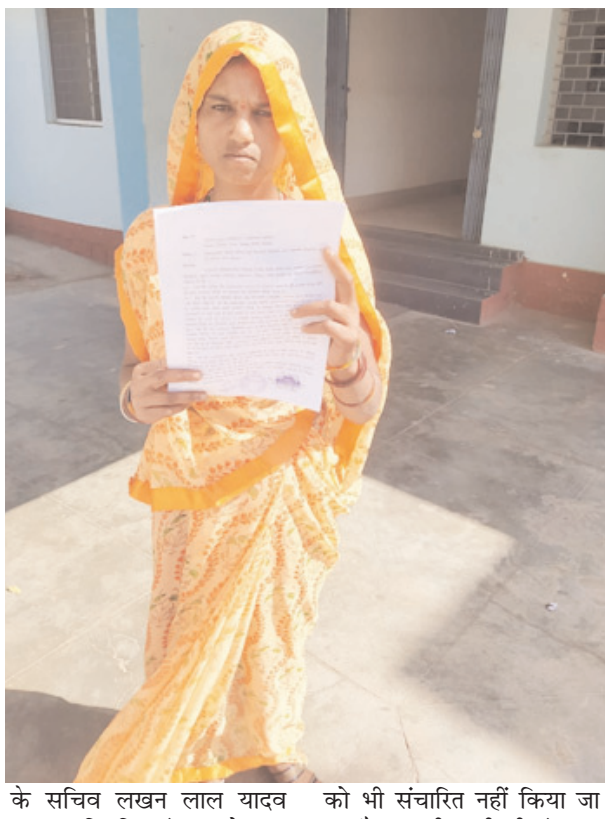

के सचिव लखन लाल यादव द्वारा अनियमिताएं बरतते हुए नवीन कार्यों को रोक कर रखा गया है एवं अधूरे निर्माण कार्यों को भी संचारित नहीं किया जा रहा है साथ ही कभी भी पंचायत बैठक ना ही ग्राम सभा का आयोजन नहीं किया जाता है एवं किसी भी नवीन कार्यों को संचालित करने के लिए सरपंच एवं पंचों से सलाह नहीं ली जाती बल्कि फर्जी एवं गलत तरीके से मेरे आईडी पासवर्ड से भी महेंद्र लोधी रैपुरा(आपको बता दें महेंद्र लोधी ग्राम बघवार कला में अतिथि शिक्षक में पदस्थ है एवं रैपुरा में ऑनलाइन कंप्यूटर की दुकान संचालित कर रहे हैं और विधायक पहलाद लोधी के बहुत करीबी माने जाते हैं) नवीन निर्माण कार्यों को दर्शाकर शासकीय पंचायत राशि आहरण की जाती है पंचायत सचिव को लेकर तमाम सारी शिकायतें दर्ज कराई गई हैं लेकिन अभी तक पंचायत सचिव लखन लाल यादव के खिलाफ कोई भी जांच एवं कार्रवाई नहीं की गई है इसलिए सरलंच की मांग है कि ग्राम पंचायत पिपरिया खुर्द के सचिव लखन लाल यादव एवं रोजगार सहायक सचिव द्वारा की जा रही लापरवाही,अनियमिताओं एवं गड़बड़ी के संबंध में निष्पक्ष जांच कर ग्राम पंचायत पिपरिया खुर्द से हटाया जाए.

कटनी के रंगनाथ थाना अंतर्गत बरगवां में पुलिस ने स्पा सेंटर पर मारा छापा

6 महिला 6 पुरुष गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, रंगनाथ थाना अंतर्गत बरगवां में हैप्पी स्पा सेंटर पर पुलिस ने मारा छापा स्पा सेंटर से 6 महिला 6 पुरुष को किया गिरफ्तार, अनैतिक कार्य करते 12 लोग स्पा सेंटर से हुए गिरफ्तार, स्पा सेंटर संचालक अभी भी फरार, ...महिला थाना टीआई और सीएसपी के नेतृत्व पर की गई छापेमार करवाई,.... अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत महिला थाने में दर्ज किया जा रहा मामला.

अमिताभ और कबीर बेदी की आवाज में किले पर गूंजा ग्वालियर का इतिहास

ग्वालियर। ग्वालियर किला एक बार रंग-बिरंगी लाइट से जगमग दिखा। अमिताभ की आवाज में लोगों ने ग्वालियर का इतिहास जाना। लेजर लाइट, फसाड लाइट, चारो ओर लगे साउंड सिस्टम और मूविंग लाइट ने पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 28 महीने बाद लाइट एंड साउंड शो का आगाज हुआ। हिंदी शो में अमिताभ बच्चन की आवाज तो अंग्रेजी शो में कबीर बेदी की आवाज में गाथा सुनाई दी। पहले दिन लाइट एंड साउंड शो देखने कुल 60 लोग पहुंचे। इनमें हिंदी शो में 45 बड़े और 6 बच्चे शामिल थे। वहीं अंग्रेजी शो में नौ पर्यटक ने शो देखा। शो में विजुअल शामिल किए जाने से इसका आकर्षण कई गुना बढ़ गया। हालांकि पिछले कंटेंट से इस कंटेंट में काफी बदलाव दिखा। सिंधिया राजपरिवार की बहादुरी की बड़ाई को इस शो में शामिल किया गया। साउंड भी अच्छी क्वालिटी का लगाया गया, जिसमें सात स्पीकर चारो ओर लगाए गए, जिनकी अवाज एकदम क्लियर है। फसाड लाइटिंग से मानसिंह पैलेस जगमग हो रहा है। प्रोजेक्शन मैपिंग एडवांस तकनीक से भरपूर है। मूविंग लाइट से इसे और भव्य बनाया गया है। चार करोड़ 26 लाख रुपये में तैयार हुआ शो अधिकारियों का दावा है कि यह नया शो देश के प्रमुख लाइट एंड साउंड शो से बेहतर है। देशभर में अंडमान निकोबार सेल्युलर जेल, मांडू का किला, कोणार्क मंदिर में शो तैयार करने वाले एक्सपर्ट वेंडर से काम कराया गया है। इस पर चार करोड़ 26 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। पिछले दो साल से शो पर काम चल रहा था। वेंडर ने दावा किया है कि देश का यह सबसे बेहतर और नया लाइट एंड साउंड शो है।

पूर्व विधायक और सिंधिया समर्थकों सहित आठ की पुलिस सुरक्षा वापस ली

ग्वालियर। न जान का खतरा न कोई धमकी फिर भी झूठी शान के लिए पुलिस सुरक्षा का तमगा लेकर घूम रहे शहर के कथित वीवीआइपी लोगों की सुरक्षा अब लगातार छिनती जा रही है। मंगलवार को पूर्व विधायक से लेकर तमाम सिंधिया समर्थकों की सुरक्षा सख्त रवैया अपनाते हुए वापस ले लिया है। न किसी का कोई बहाना चल रहा है न सिफारिश । हाईकोर्ट की फटकार के बाद अब हर उस व्यक्ति से सुरक्षा वापस ली जा रही है जो लंबे समय से इस सुरक्षा का उपयोग वीआइपी रुतबा दिखाने के लिए कर रहे थे । हालांकि अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो सुरक्षा वापस करने में आनाकानी कर रहे हैं , उनके पास ऐसे तर्क भी हैं

जिन्हें अधिकारी भी सिरे से खारिज कर रहे हैं। पुलिस की कार्यवाही में सोमवार को छह लोगों की सुरक्षा हटाई गई , वहीं मंगलवार को आठ और लोगों से सुरक्षा वापस ले ली गई है। इसमें कुछ सिंधिया समर्थक और पूर्व विधायक भी शामिल हैं । बता दें कि पुलिस को अपनी शान बढ़ाने के लिए सुरक्षा में लेकर चलने वाले इन स्वयंभू वीवीआइपी की मनमानियों को उजागर करने से लेकर इन पर हो रही कार्यवाहियों को नईदुनिया लगातार प्रमुखता से प्रकाशित कर रहा है। उद्योगपति मुकेश अग्रवाल बोले- मेरी सुरक्षा ऊपर लेवल से है, ये नहीं हट सकती उद्योगपति मुकेश अग्रवाल से जब उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल किए तो उन्होंने बिगड़े सुरों में कहा कि मेरी सुरक्षा सामान्य नहीं हैं , ऊपरी लेवल से मिली है। वो नहीं हटाई जा सकती। उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य सुरक्षा समिति के द्वारा मुझे सुरक्षा दी गई है।सुरक्षा देने से पहले समिति में प्रदेश के डीजीपी सहित वरिष्ठ अफसरों नें जांच की और जब उन्हें लगा कि मुझे सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए तो उन्होंने रिपोर्ट बनाकर दी। जिसके आधार पर प्रदेश के गृहमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा निश्शुल्क सुरक्षा उपलब्ध हुई है।

दोस्त के साथ बात कर रहे युवक को गोली मारी, 24 घंटे में पकड़े गए बदमाश, बोले- मजाक में झगड़ा हुआ था

ग्वालियर। जनकगंज इलाके में दोस्त के साथ बात कर रहे युवक को दो बदमाशों ने गोली मार दी। 24 घंटे के भीतर बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया। जब बदमाशों से पूछताछ की गई तो बोले- मजाक में झगड़ा हुआ था। तभी गोली चला दी। पुलिस ने इनके पास से हथियार और बिना नंबर की बाइक बरामद की है। पुलिस अभी इनसे और पूछताछ कर रही है। जनकगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ढोलीबुवा का पुल इलाके में बीती रात कुछ युवक आपस में बात कर रहे थे। तभी यहां झगड़ा हुआ। इसके बाद एक युवक को दो बदमाशों ने गोली मार दी। गोली उसके पैर में लगी। इससे वह घायल हो गया। युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जनकगंज थाना पुलिस ने इस मामले में एफआइआर दर्ज की। एसपी धर्मवीर सिंह यादव ने सीएसपी लश्कर आयुष गुप्ता और उनकी टीम को पड़ताल में लगाया। 24 घंटे में पुलिस ने आरोपितों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपितों के नाम निट्टू चौरसिया और प्रयांश यादव हैं। इनसे पूछताछ चल रही है। कंपू थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो पक्षों में जमकर बेल्ट, लाठी और लात-घूंसे चले। दोनों पक्षों में बीच सड़क पर मारपीट हुई। इस दौरान एक पक्ष ने गोली भी चलाई। गोली चलने से दहशत फैल गई। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित है। पुलिस पड़ताल कर रही है। कंपू थाना प्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि झगड़े की सूचना मिली थी, लेकिन दोनों पक्ष यहां से गायब मिले हैं। उपनगर ग्वालियर में ज्वेलर्स के यहां डकैती डालने के लिए जा रहे चार बदमाशों को पुलिस ने हथियार के साथ पकड़ा है। इन बदमाशों पर पहले से आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। ग्वालियर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कुछ बदमाश इलाके में किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने के लिए सक्रिय हैं। सूचना मिलते ही टीम को पड़ताल में लगाया। रात को चार बदमाशों को पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाशों के नाम आदित्य यादव, अजय रजक, सुनील रजक और विशाल रजक हैं। इनसे पूछताछ की तो बोले अमित ज्वेलर्स के संचालक जवाहर जैन के घर डकैती डालने की योजना बना रहे थे।

लहसुन की रखवाली के लिए खेत में सोए किसान की हत्या

उज्जैन। उज्जैन जिले में लहसुन के फसल की देखरेख कर रहे एक किसान की हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि बडनगर के बलोडा लक्खा गांव में किशन सिंह छावड़ा की डेड बॉडी खेत में एक खटिया पर मिली है। किशन सिंह छावड़ा भारतीय किसान संघ के स्थानीय नेता भी हैं। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने कहा कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और इस हत्या के पीछे की वजह जानने में लगी है। 50 साल के छावड़ा खेत में सोया करते थे। यह खेत उनके घर से करीब 1 किलोमीटर दूर है। वो इस खेत में लहसुन की फसल की देखरेख करने के लिए सोया करते थे। पुलिस अधीक्षक ने कह कि सुबह वे वापस नहीं लौटे। इसके

बाद परिवार के सदस्य खेत पर गए यहां उन्होंने देखा कि किशन सिंह छावड़ा का शव खटिया पर पड़ा है और वो खून से सना हुआ है। उनके शरीर के ऊपरी हिस्से में खून लगा हुआ था। किसान के सिर पर धारदार हथियार से हमला करने के निशान मौजूद थे। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दिया कि लहसुन की फसल खेत से नहीं चुराई गई होगी इस हत्या के पीछे दुश्मनी वजह हो सकती है।

40,000 रुपए प्रति क्विंटल है लहसुन का भाव

कृषि विशेषज्ञ और किसान नेता परमजीत सिंह ने कहा, बीते दो महीनों में लहसुन का दाम 40,000 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गया है। काफी लंबे समय से यह 25,000 रुपया प्रति क्विंटल बिक रहा था। किसानों को उ मीद है कि लहसुन के दाम आगे बढ़ेंगे। खराब बारिश की वजह से मंदसौर और नीमच में लहसुन का उत्पादन प्रभावित हुआ है। आने वाले दिनों में लहसुन के दाम और बढ़ने वाले हैं और यही वजह है कि किसान लहसुन को बचाने के लिए उसकी सुरक्षा कर रहे हैं।

किसान की हत्या पर राजनीति

बहरहाल इस हत्याकांड को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, डॉक्टर मोहन यादव जी, आप राज्य के गृह मंत्री और मु यमंत्री हैं। उज्जैन आपका गृह जिला है। ज्यादा अराजकता उज्जैन में ही हो रहा है, क्यों? हालांकि, बीजेपी ने इस मामले में कहा है कि पुलिस इसे लेकर कार्रवाई कर रही है और जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा। भाजपा प्रवक्ता, रजनीश अग्रवाल ने कहा, जीतू पटवारी को हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक पर ध्यान दें। किसान की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण घटना है लेकिन पुलिस अपना काम कर रही है और आरोपी जल्द ही गिर तार कर लिया जाएगा।

दक्षिण-पूर्वी हवाओं से मिल रही ठंडक के कारण दिन में धूप का असर, रात भी ठंडी

ग्वालियर। पूर्वी मध्य प्रदेश में झमाझम वर्षा का असर ग्वालियर-चंबल अंचल में देखा जा रहा है। दक्षिण पूर्वी हवाओं से मिल रही ठंडक के कारण दिन में धूप अपना असर नहीं दिखा पा रही है और रात पचमढ़ी से ठंडी बनी हुई है ।हालात यह है कि आसमान में बादल नहीं है और उत्तरी हवाएं भी ठंडक लेकर नहीं आ रही है। इसके बाद भी तापमान में गर्मी तेजी से नहीं बढ़ रही है। दिन व रात के तापमान 0.2 और 0.3 डिग्री का अंतर ही दर्ज किया गया है। इसके कारण दिन व रात का तापमान सामान्य से कम बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक आरके शर्मा का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ आने से पहले तापमान में तेजी आती है। इस बार 20 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है जिसका असर भले ही 23 मार्च के आसपास होगा,

लेकिन उससे पहले तापमान गति पकड़ेगा और पश्चिमी विक्षोभ के कारण फिर तापमान कम होने लगेगा। पूर्वी मध्य प्रदेश में हो रही वर्षा और ओलावृष्टि के कारण इस वक्त तापमान बहुत ही धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। मंगलवार की सुबह आसमान साफ रहा और दिन जैसे-जैसे आगे बढ़ा तो तापमान भी बढ़ने लगा। दिन में अधिकतम तापमान 31.7 और न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि हवाओं में नमी सुबह के समय 67 फीसद और दोपहर में 37 फीसद दर्ज की गई जबकि हवा की रफ्तार 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रही। झ बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके कारण छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में वर्षा हो रही है। इधर भूमध्य सागर से चलकर आ रही हवाएं अपने साथ नमी लेकर नहीं आ रही है। इस कारण से ग्वालियर चंबल अंचल में मौसम शुष्क बना हुआ है। हालात यह है कि पिछले तीन दिन से दिन व रात का तापमान लगातार बढ़ रहा है इसके बाद भी एक डिग्री नहीं बढ़ सका। क्योंकि धूप अपनी चमक दिखाती लेकिन पूर्वी हवाएं उसे कमजोर बनाती है इस कारण से तापमान में 0.2 के आसपास ही बढ़ोत्तरी दर्ज की जा पा रही है।

चीन का दावा बेतुका, विदेश मंत्रालय बोला- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा

नेशनल डेस्क- विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा अरुणाचल प्रदेश के भूभाग पर बेतुके दावे को आगे बढ़ाते हुए की गई टिप्पणी पर गौर किया है और कहा कि राय भारत का अभिन्न एवं अविभाय हिस्सा था, है और सदैव रहेगा। विदेश मंत्रालय की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आयी है, जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर चीन की आपत्ति को भारत के खारिज करने के बाद चीन की सेना ने राय पर अपने दावे को दोहराते हुए इसे चीन के क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा बताया था। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के हवाले से कहा गया, हमने चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा भारतीय राय अरुणाचल प्रदेश के भूभाग पर बेतुके दावों को आगे बढ़ाते हुए की गई टिप्पणी पर गौर किया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह अरुणाचल प्रदेश के संबंध में चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा की गई टिप्पणी पर मीडिया के सवालों के जवाब में है। उन्होंने कहा, इस संबंध में निराधार तर्क को दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाय हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। इसके लोग हमारे विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभान्वित होते रहेंगे। कर्नल झांग शियाओगांग का बयान चीन की सरकारी मीडिया ने देश के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग के हवाले से कहा था कि जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) का दक्षिणी भाग चीन के भूभाग का एक अंतर्निहित हिस्सा है और बीजिंग भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी स्वीकार नहीं करता और इसका दृढ़ता से विरोध करता है। भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि राय देश का अभिन्न अंग है। नयी दिल्ली ने क्षेत्र को मनगढ़ंत नाम देने के चीन के कदम को भी खारिज किया है और कहा है कि इससे वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आएगा।

सिंध पुलिस ने राय भर में प्रदर्शनों के बाद कार्यकर्ता लोहार की बेटियों को किया रिहा

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लरकाना पुलिस ने सिंधी कार्यकर्ता हिदायत लोहार की बेटियों सुरथ लोहार, ससाई लोहार और फौजिया नुनारी को कथित लापता व्यक्तियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए हिरासत में लिए जाने के बाद रिहा कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वॉयस फॉर मिसिंग पर्सन्स ऑफ सिंध के नेताओं को रविवार को रिहा कर दिया गया, जबकि उनके साथ 25 से अधिक गिरफ्तार कार्यकर्ताओं पर अन्य पुलिस स्टेशनों में देशद्रोह और आतंकवाद के मामले दर्ज किए गए हैं। द वॉयस फॉर मिसिंग पर्सन्स ऑफ सिंध ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा, सिंध भर में प्रतिक्रियाओं के बाद, वाइस फॉर मिसिंग पर्सन्स ऑफ सिंध के नेता सुरथ लोहार, ससाई लोहार और फौजिया नुनारी को लरकाना पुलिस ने रिहा कर दिया है जबकि 25 से अधिक गिरफ्तार कार्यकर्ताओं पर देशद्रोह और आतंकवाद का मामला अन्य पुलिस स्टेशनों में स्थानांतरित कर दिया गया है। रविवार को दिवंगत सामाजिक कार्यकर्ता हिदायत लोहार के परिवार के सदस्यों द्वारा आयोजित एक प्रदर्शन को पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा बेरहमी से पीटने के बाद पाकिस्तान की असहमति की आवाज को हिंसक तरीके से दबाने का तरीका एक बार फिर से प्रदर्शित हुआ। हिदायत की बेटियां सुरथ लोहार और ससाई लोहार दोनों अपने पिता की लक्षित हत्या के लिए न्याय पाने के लिए लड़ रही हैं।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मोदी 21-22 मार्च तक करेंगे भूटान का दौरा

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 से 22 मार्च तक भूटान का दो दिवसीय राजकीय दौरा करेंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति पर जोर देने को ध्यान में रखते हुए अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत और भूटान एक अनूठी और स्थायी साझेदारी साझा करते हैं, जो आपसी विश्वास, समझ और सद्भावना में निहित है। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी 21 से 22 मार्च तक भूटान का राजकीय दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की पड़ोसी प्रथम नीति पर जोर देने के अनुरूप है। बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के दौरान भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनके पिता जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (भूटान के पूर्व नरेश) से मुलाकात करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि मोदी भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से भी मुलाकात करेंगे। बयान के मुताबिक, यह दौरा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर विचारों के आदान-प्रदान और दोनों देशों के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए हमारी साझेदारी को आगे ले जाने और उसे मजबूत बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा।

हांगकांग में असंतोष के स्वर दबाने वाला नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित, चीन की पकड़ होगी और मजबूत

इंटरनेशनल डेस्क: हांगकांग में नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित कर दिया गया है। पिछले महीने ही इसका मसौदा आम जनता के सामने पेश कर दिया गया था, जिसके बाद लोगों की राय ली गई। 8 मार्च को सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा पर बिल लेकर आई और अब बिल पास होकर कानून बन गया है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है। दावा किया जा रहा है कि नया कानून हांगकांग पर चीन की पकड़ को मजबूत करेगा और नागरिकों के मानव अधिकारों का हनन होगा। चीन ने हांगकांग पर 2020 में भी एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था जिसका मकसद क्षेत्र में स्थिरता लाना है। हालांकि, यह कानून केवल कुछ अपराधों से निपटता था, जैसे कि विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत।इसके अलावा इस कानून के तहत चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों को पहली बार शहर में रहने की अनुमति भी दी गई।इसमें एक प्रावधान यह भी था जिसमें संदिग्धों को मुकदमे के लिए मेनलैंड चीन में भेजा जा सकता था। 2020 के कानून ने अनुछेद 23 में तेजी लाने और स्थानीय कानून बनाने की जरूरत पर जोर डाला था। एक्सपर्ट्स के अनुसार हांगकांग के नए नेशनल सिक्योरिटी कानून का मानव अधिकारों के हनन करने में गलत इस्तेमाल हो सकता है। इसे बीजिंग के 2020 में हांगकांग पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून से समझा जा सकता है। 2021 में एक व्यक्ति को पुलिस अधिकारियों के एक समूह की तरफ मोटरसाइकिल चलाते हुए हांगकांग की 'मुक्ति' का नारा देने और झंडा फहराने पर आतंकवाद और अलगाव के लिए उकसाने का दोषी मानकर नौ साल की सजा दी गई थी

क्यों लाया गया ये कानून?

हांगकांग के मिनी संविधान कहे जाने वाले 'बेसिक लॉ' के आर्टिकल 23 के अनुसार सरकार को सात अपराधों पर कानून बनाने की ताकत दी गई है । इनमें राजद्रोह, अलगाव, राजद्रोह, केंद्रीय पीपुल्स सरकार के खिलाफ तोड़फोड़, राय के रहस्यों की चोरी, विदेशी राजनीतिक संगठनों को क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों का संचालन करने से रोकना, और राजनीतिक संगठनों को विदेशी राजनीतिक संगठनों या निकायों के साथ संबंध स्थापित करने से प्रतिबंधित करना शामिल है।

वंदे भारत यात्री को दही में मिला फंगस, तस्वीरें हुई वायरल तो गया रेलवे का जवाब

नेशनल डेस्क- वंदे भारत एक्सप्रेस से देहरादून से दिल्ली के आनंद विहार तक यात्रा कर रहा एक व्यक्ति यह देखकर हैरान रह गया कि ट्रेन में उसे भोजन में जो दही परोसा गया था, उसमें फंगस लगा हुआ था। एक्स यूजर हर्षद टोपकर ने रेल मंत्रालय, उत्तर रेलवे और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आधिकारिक अकाउंट को टैग करते हुए अपनी शिकायत पोस्ट की। हर्षद द्वारा 5 मार्च को शिकायत करने के तुरंत बाद, भारतीय रेलवे ने उनके पोस्ट का जवाब दिया। हर्षद ने अपने पोस्ट में वंदे भारत की एक्जीक्यूटिव क्लास में यात्रा के दौरान उन्हें परोसे गए भोजन की तस्वीरें भी साझा कीं। जैसा कि उनके पोस्ट के साथ आई तस्वीरों से स्पष्ट है, दही फंगस से दूषित था। आज वंदे भारत पर देहरादून से आनंद विहार तक एग्जीक्यूटिव क्लास में यात्रा कर रहा हूं। परोसे गए दही में हरे रंग की परत पाई गई, संभवतः इसमें फफूंद है। हर्षद ने अपने पोस्ट में कहा, वंदे भारत सेवा से ऐसी उम्मीद नहीं है। यात्रियों की सहायता के लिए आधिकारिक अकाउंट रेलवे सेवा ने हर्षद से अपनी यात्रा का विवरण साझा करने को कहा ताकि वे मामले की जांच कर सकें। उत्तर रेलवे ने भी हर्षद की पोस्ट का जवाब दिया और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के आधिकारिक अकाउंट को टैग करते हुए कहा, कृपया इस मामले पर ध्यान दें। हाल के दिनों में कई वंदे भारत यात्रियों ने ट्रेन में परोसे जाने वाले खाने को लेकर शिकायत की है। जनवरी में, वंदे भारत एक्सप्रेस से नई दिल्ली से वाराणसी यात्रा कर रहे एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि यात्रा के दौरान उसे और अन्य लोगों को बासी खाना परोसा गया। पिछले महीने, एक अन्य यात्री के भोजन में मरा हुआ कॉकरोच पाया गया, जिसके बाद आईआरसीटीसी ने एक्स पर माफी जारी की।

शाकाहारियों को अब शुद्ध शाकाहारी ही पहुंचाएंगे खाना, जोमैटो ने शुरू की प्योर वेज फ्लीट, सोशल मीडिया पर हो गया ट्रोल

नेशनल डेस्क: खान-पान के उत्पादों की आपूर्ति करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने पूर्ण रूप से शुद्ध शाकाहारी माध्यम (प्योर वेज मोड) से खाने की आपूर्ति सेवा शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने यह सेवा पूर्ण रूप से शुद्ध शाकाहार अपनाने वाले ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर शुरू की है। उन्होंने नई सेवा को शुरू करने के लिए शाकाहारी ग्राहकों की प्रतिक्रिया का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मंच भारत में 100 प्रतिशत शाकाहारी आहार का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए 'शुद्ध शाकाहारी बेड़ा (प्योर वेज फ्लीट) भी शुरू कर रहा है। गोयल ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दुनियाभर में सबसे यादा शाकाहारी जनसंख्या भारत में है। उन्होंने कहा कि नई सेवाएं ऐसे ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर शुरू की हैं। यहां तक कि संस्थापक दीपिंदर गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि यह किसी भी धार्मिक, या राजनीतिक प्राथमिकता की सेवा या अलगाव नहीं करता है। गोयल की घोषणा के तुरंत बाद ज़ोमैटो को इंटरनेट पर कमेंटरी का सामना करना पड़ा और कई लोगों ने प्योर वेज मोड और प्योर वेज फ्लीट लॉन्च करने के लिए ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी की आलोचना की। वहीं इस कदम के लिए जोमैटो के सीईओ की सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने आलोचना की है। एक्स पर एक यूजर ने लिखा कि लोग ब्लड मांगते वक्त ब्लड ग्रुप के साथ-साथ शुद्ध शाकाहारी की मांग क्यों नहीं रखते। एक अन्य शख्स ने लिखा कि शाकाहारी लोगों से एक सवाल है- जोमैटो द्वारा यह सेवा शुरू किये जाने से पहले आपका कितना फीसदी ऑर्डर शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट से होता था सोशल मीडिया के एक वर्ग ने ज़ोमैटो के नए प्योर वेज मोड को जातिवादी करार दिया। एक अन्य यूजर ने कहा, उन शाकाहारियों के लिए एक अलग बेड़ा कैसा रहेगा जिनके पास प्याज और लहसुन नहीं है और वे इसे अपने शाकाहारी भोजन में नहीं मिलाना चाहते। झटका और हलाल नॉन वेज के लिए अलग बेड़ा कैसा रहेगा। क्या मूर्खतापूर्ण कदम है। कुछ समाज गैर को रोक देंगे उदाहरण के लिए, शाकाहारी डिलीवरी और आप केवल उन्हें सक्षम कर रहे हैं।

टूरिस्ट बस का भयानक एक्सीडेंट, एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत

नेशनल डेस्क- केरल के आदिमाली में आज एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। दरअसल, तमिलनाडु के पर्यटकों को ले जा रहा एक टूरिस्ट वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 14 लोग घायल हो गए। केरल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घायलों में दो की हालत गंभीर है। जानकारी के मुताबिक यह टूरिस्ट बस तमिलनाडु के पर्यटकों से भरी हुई थी। बताया जाता है कि अचानक संतुलन बिगड़ने से यह वाहन घाटी में जा गिरा। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। घटनास्थल से घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपी ने पीड़ित परिवार से मांगी थी आर्थिक मदद

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हुए दोहरे हत्याकांड से हड़कंप मचा हुआ है। जहां पर एक शख्स ने तीन बच्चों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में 2 बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी साजिद को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। जांच में अब यह बात सामने आ रही है कि साजिद जब बच्चों को मारने के लिए घर में घुसा था तो उसने पीड़ित परिजनों से कुछ रुपए उधार मांगे थे। जानिए, क्या कहना है मृतक बच्चों के पिता का? मिली जानकारी के मुताबिक, बदायूँ की बाबा कॉलोनी में दो बच्चों की हत्या के बाद मृतक के पिता ने कहा है कि हत्या में दो लोग शामिल थे और वे अभी भी इस बारे में अंजान हैं। यह घटना क्यों हुई मैं मुठभेड़ (आरोपी के) से अनजान था। वह (आरोपी) भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वहां दो लोग थे। मैं बाहर रहता हूं। हमारी उनसे पहले कोई बातचीत नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि हम इस बात से अंजान हैं कि ऐसा क्यों हुआ। वहीं एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए एसएसपी बदांयू ने कहा कि मृतक परिवार ने आरोपी के भाई का भी नाम लिया है जो भाग रहा है। आरोपी ने मृतक बच्चों के पिता से की थी 5,000 रुपये की मांग बताया जा रहा है कि आरोपी साजिद मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे घर में घुसा और छत पर गया जहां बच्चे खेल रहे थे। उसने दो बच्चों पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। फिर वह नीचे आया जहां भीड़ ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह भाग निकला। पुलिस टीमें तब हरकत में आईं जब उन्हें पता चला कि आरोपी भाग गया है। आरोपी ने पुलिस पर गोलीबारी की और जवाबी कार्रवाई में मारा गया। हत्या का हथियार और रिवॉल्वर बरामद कर लिया गया है। एफआईआर में मृतक बच्चों के परिवार ने कहा है उन्होंने आरोपी के भाई जावेद का नाम भी बताया। उसकी तलाश के लिए टीमें काम कर रही हैं और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिवार के अनुसार, आरोपी ने मृतक बच्चों के पिता से 5,000 रुपये की मांग की थी। घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों ने निकाला फ्लैग मार्च इस बीच, पुलिस अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों ने आज सुबह उस शहर में फ्लैग मार्च किया, जहां यह घटना हुई थी। इससे पहले, बरेली के पुलिस महानिरीक्षक राकेश कुमार ने कहा कि आरोपी की उम्र 25-30 के बीच है। हम आगे की जांच के बाद उनके विवरण का खुलासा करेंगे। इस बीच, मंडी समिति चौकी के पास स्थित बाबा कॉलोनी में भारी पुलिस सुरक्षा तैनात की ई क्योंकि स्थानीय लोगों ने भयानक दोहरे हत्याकांड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बदायूं के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) मनोज कुमार ने कहा कि घटना के बाद कुछ लोग उत्तेजित हो गए और उन्हें शांति बनाए रखने के लिए कहा गया। पीड़ितों के बारे में बोलते हुए डीएम ने कहा कि बच्चों की उम्र लगभग 11 और 6 साल थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569